हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 184 बेमेतरा, मंगलवार 24 फरवरी 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

भारत पर नहीं लगेगा ट्रंप टैरिफ?

नई दिल्ली। यूनाइटेड स्टेट्स कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद डोनल्ड ट्रंप के टैरिफ को लेकर एक बड़ा फैसला लिया है। सीबीपी का कहना है कि वे मंगलवार, 24 फरवरी की रात 12 बजे ईएसटी से इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट के तहत टैरिफ लेना बंद कर देंगे। सीबीपी की तरफ से जारी बयान में कहा गया, यूएस के ट्रेडिंग पार्टनर्स पर लगाए गए सभी तरह के टैरिफ, जिसमें रूस से तेल खरीदने पर भारत जैसे देशों पर लगने वाली ड्यूटी भी शामिल है, 24 फरवरी से खत्म हो जाएंगे।

आईपीएस सुनील नायक को कोर्ट से राहत

पटना। पटना में सोमवार को उस वक्त हलचल मच गई जब आंध्र प्रदेश पुलिस की टीम ड्डत्र रैंक के अधिकारी को गिरफ्तार करने पहुंची।

मामला 2005 बैच के बिहार कैडर के आईपीएस एम. सुनील नायक से जुड़ा है। उन्हें ट्रांजिट रिमांड पर आंध्र ले जाने की तैयारी थी। लेकिन पटना सिविल कोर्ट ने आंध्र पुलिस की मांग खारिज कर दी।/ष्टछ्व्रू-12 की अदालत ने कागजातों की कमी पर कड़ी नाराजगी जताई। कोर्ट ने साफ कहाबिना वारंट और अपडेट केस डायरी के कार्रवाई स्वीकार नहीं। सुनवाई के दौरान पता चला कि गिरफ्तारी वारंट प्रस्तुत नहीं किया गया था। केस डायरी भी अपडेट नहीं थी।

बस त्रिशूली नदी में गिरी, 18 की हुई मौत

काठमांडु। नेपाल में सोमवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। पोखरा से राजधानी काठमांडू जा रही एक यात्री बस अनियंत्रित होकर धादिंग जिले में त्रिशूली नदी में जा गिरी। इस दुखद घटना में अब तक 18 यात्रियों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 25 अन्य घायल हैं। यह हादसा सोमवार तड़के करीब 1:15 बजे पृथ्वी हाईवे पर बेनिघाट रोरांग ग्रामीण नगरपालिका-3 के चिनाधारा, चरौंडी इलाके में हुआ। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, बस तेज रफ्तार में थी और अचानक सड़क से फिसलकर करीब 300 मीटर गहरी ढलान से नीचे गिरती हुई सीधे नदी किनारे जा पहुंची।

छत्तीसगढ़ विधानसभा का बजट सत्र शुरू

राज्य में विकास की अपार संभावनायें: राज्यपाल डेका

रायपुर। छत्तीसगढ़ की 6वीं विधानसभा के अष्टम् सत्र में अभिभाषण पढ़ते हुए राज्यपाल ने कहा कि आप सभी को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना और हमारी विधानसभा की रजत जयंती की बहुत-बहुत बधाई। राज्य स्थापना की रजत जयंती के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के करकमलों से हमारी विधानसभा के नवीन भवन का लोकार्पण हुआ। आप सभी को लोकतंत्र के मंदिर इस नये भवन की हार्दिक शुभकामनाएं। प्रदेश की षष्ठम् विधानसभा के वर्ष 2026 में आयोजित इस प्रथम सत्र में आप सभी का हार्दिक अभिनंदन है। अब हमारे प्रदेश ने विकसित राज्य की ओर अपना नया सफर शुरू किया है। सामूहिक प्रयत्न और संकल्प से निश्चित रूप से हम वर्ष 2047 तक विकसित राज्य का लक्ष्य प्राप्त करेंगे। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी ने हमारे राज्य का निर्माण किया। उन्होंने जिस संकल्पना को लेकर छत्तीसगढ़ बनाया, उसे पूरा होते देखकर बहुत खुशी होती है। छत्तीसगढ़ में विकास की असीम संभावनाएं हैं। यहां की सरल, सहज और मेहनतकश जनता की बदौलत मेरी सरकार इन संभावनाओं को साकार करने की दिशा में कड़ी मेहनत कर रही है।

इससे पूर्व राज्यपाल के विधानसभा पहुंचने पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह, नेता प्रतिपक्ष डॉ चरण दास महंत ने उनका आत्मीय स्वागत किया।

राज्यपाल का अभिभाषण

- मेरी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता अंत्योदय का कल्याण है। मेरी सरकार की प्रत्येक नीति में यह सोच है कि इसके लागू होने से आखिरी पंक्ति में खड़े नागरिक को किस तरह से लाभ मिलेगा। जब इस सोच के अनुरूप नीति बनती है तो समावेशी विकास की दिशा में कदम स्वत: बढ़ जाते हैं।
- समावेशी विकास में महिला सशक्तिकरण की महत्वपूर्ण भूमिका है। मातृ शक्ति को सशक्त बनाना मेरी सरकार की प्राथमिकता है। इसी सोच के साथ इस वर्ष को 'महतारी गौरव वर्ष' के रूप में मनाया जा रहा है।
- सामाजिक कल्याण के साथ तीव्र आर्थिक विकास के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए नये जमाने के अनुरूप मेरी सरकार ने नवाचार भी किया है जिसका व्यापक असर प्रदेश के आर्थिक विकास के आंकड़ों में नजर आता है।

विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत का ♦ सपना तभी साकार होगा, जब किसान मजबूत और समृद्ध होंगे। इसलिए मेरी सरकार उन्हें आधुनिक तकनीक से जोड़ने, फसल का उचित मूल्य दिलाने और बाजार तक उनकी आसान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए निरंतर काम कर रही है।

- इस वर्ष 25 लाख 24 हजार किसानों से समर्थन मूल्य पर 141.04 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा गया और 33 हजार 431 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। मेरी सरकार ने 'कृषक उन्नति योजना' के तहत होली से पहले किसानों को 10 हजार 292 करोड़ रुपये का भुगतान करने का निर्णय लिया है।
- केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार भी किसान हितैषी सरकार है। छत्तीसगढ़ के 24 लाख 72 हजार किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है।
- मेरी सरकार के कल्याणकारी दायरे में भूमिहीन कृषक मजदूर भी शामिल हैं। राज्य के 5 लाख से अधिक भूमिहीन कृषि मजदूरों को 'दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना' के तहत सालाना 10 हजार रुपए दिए जा रहे हैं।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने पेश किया आर्थिक सर्वेक्षण, जीएसडीपी में 11.57% बढ़ोतरी का अनुमान

राज्य विधानसभा में आज वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने वर्ष 2025-26 का आर्थिक सर्वेक्षण प्रस्तुत किया। सर्वेक्षण में छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था को लेकर सकारात्मक तस्वीर सामने आई है। वित्त मंत्री ने बताया कि वर्ष 2025-26 में राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 11.57 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। चालू मूल्यों पर त्रस्ष्ठक्क का आकार 6.31 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचने की संभावना जताई गई है।

तीनों प्रमुख क्षेत्रों में मजबूत बढ़त: आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार-कृषि क्षेत्र में 12.53% वृद्धि का अनुमान है। उद्योग क्षेत्र में 10.26% वृद्धि संभावित है। सेवा क्षेत्र में सर्वाधिक 13.15% की वृद्धि का अनुमान है। वहीं स्थिर भावों पर राज्य की आर्थिक वृद्धि दर 8.11 प्रतिशत रहने का अनुमान व्यक्त किया गया है। पिछले वर्ष का प्रदर्शन भी रहा मजबूत

वर्ष 2024-25 में छत्तीसगढ़ ने 10.50 प्रतिशत की उल्लेखनीय आर्थिक वृद्धि दर्ज की। कृषि क्षेत्र में 11.76% वृद्धि, उद्योग क्षेत्र में 9.91% बढ़ोतरी, सेवा क्षेत्र में 10.08त्न वृद्धि दर्ज की गई, प्रति व्यक्ति आय में भी बढ़ोतरी, वित्त मंत्री ने बताया कि वर्ष 2025-26 में राज्य की प्रति व्यक्ति आय 1,79,244 रुपए अनुमानित है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 10.07 प्रतिशत अधिक है।

तेजस विमान में तकनीकी खराबी आई थी, दुर्घटनाग्रस्त नहीं हुआ : एच ए एल

नयी दिल्ली। रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रम हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने वायु सेना के एक स्वदेशी तेजस लड़ाकू विमान के इस महीने के शुरू में दुर्घटनाग्रस्त होने की रिपोर्टों का खंडन करते हुए कहा है कि इस विमान को तकनीकी गड़बड़ी का सामना करना पड़ा था और उसे किसी भी तेजस विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना नहीं है। वायु सेना के लिए तेजस बनाने वाले उपक्रम एचएएल ने विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने तथा तेजस विमानों की उडान रोके जाने की मीडिया में आई रिपोर्टों पर सोमवार को स्पष्टीकरण दिया। एच ए एल ने कहा कि एलसीए तेजस के किसी भी विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की कोई सूचना नहीं है। सार्वजनिक उपक्रम ने कहा कि जिस घटना का मीडिया में हवाला दिया जा रहा है वह ज़मीन पर हुई एक मामूली तकनीकी समस्या थी। सार्वजनिक उपक्रम ने कहा है कि तेजस का समकालीन लड़ाकू विमानों में विश्व में सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा रिकॉर्ड है और वह इसे बनाये हुए है। एचएएल ने कहा है कि मानक संचालन प्रक्रिया के तहत इस मुद्दे का गहन विश्लेषण किया जा रहा है और एचएएल त्वरित समाधान के लिए वायु सेना के साथ मिलकर कार्य कर रहा है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार ताजा घटना इस महीने के शुरू में वायु सेना के एक प्रमुख एयर बेस पर उस समय हुई जब यह विमान नियमित प्रशिक्षण उडान के बाद रनवे पर उतर रहा था। दुर्घटना में पायलट समय रहते पैराशूट की मदद से बच निकलने में सफल रहा।

मोदी ने पश्चिम बंगाल की जनता को खुला पत्र लिखकर ममता सरकार की आलोचना की

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल की जनता को एक खुला पत्र लिखते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार की फर्जी मतदाताओं, अवैध घुसपैठ, बेरोजगारी और महिला सुरक्षा जैसे मुद्दों पर कड़ी आलोचना की है। 'पश्चिम बंगाल के मेरे प्रिय नागरिकों' को संबोधित और 'जय मां काली' के अभिवादन के साथ शुरू होने वाला यह पत्र भाजपा के घर-घर जनसंपर्क अभियान के हिस्से के रूप में मतदाताओं के बीच वितरित किया जा रहा है। पार्टी सूत्रों ने कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले, यह पत्र भाजपा के चुनावी संपर्क का एक प्रमुख हिस्सा है।

भारत ने अपने नागरिकों को ईरान छोड़ने की सलाह दी

नयी दिल्ली। भारत ने ईरान में निरंतर बदल रही स्थिति को देखते हुए वहां रह रहे भारतीय नागरिकों (छात्रों, तीर्थयात्रियों, व्यवसायियों और पर्यटकों) को वाणिज्यिक उड़ानों सहित सभी उपलब्ध परिवहन साधनों के माध्यम से ईरान छोड़ने की सलाह दी है।

तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने सोमवार को एक परामर्श जारी कर कहा है कि इस वर्ष पांच जनवरी को जारी परामर्श के क्रम तथा ईरान में विकसित हो रही स्थिति को देखते हुए ईरान में रह रहे भारतीय नागरिकों (छात्रों, तीर्थयात्रियों, व्यवसायियों और पर्यटकों) को उपलब्ध परिवहन साधनों, जिनमें वाणिज्यिक उड़ानें भी शामिल हैं, के माध्यम से ईरान छोड़ने की सलाह दी जाती है। दूतावास ने 14 जनवरी को जारी परामर्श को दोहराते हुए कहा है कि सभी भारतीय नागरिक और भारतीय मूल के व्यक्ति आवश्यक सावधानी बरतें, विरोध प्रदर्शनों या धरनों वाले क्षेत्रों से दूर रहें, ईरान में भारतीय दूतावास के संपर्क में रहें तथा किसी भी नए घटनाक्रम के लिए स्थानीय मीडिया पर नजर बनाए रखें। परामर्श में कहा गया है कि ईरान में सभी भारतीय नागरिकों से अनुरोध है कि वे अपने यात्रा और आव्रजन दस्तावेज, जिनमें पासपोर्ट और पहचान पत्र शामिल हैं, अपने पास सुरक्षित और आसानी से उपलब्ध रखें। इस संबंध में किसी भी सहायता के लिए वे भारतीय दूतावास से संपर्क करें। परामर्श में ईरान में भारतीय दूतावास के आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर साझा किये गये हैं जो 989128109115, 989128109109, 989128109102; 989932179359 हैं।

अनिल टूटेजा गिरफ्तार 26 तक पुलिस रिमांड पर

रायपुर। प्रदेश के बहुचर्चित डीएमएफ घोटाला मामले में पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा को गिरफ्तार किया गया है।

ईओडब्ल्यू के अनुसार विवेचना के दौरान प्राप्त महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य, दस्तावेज और विभिन्न व्यक्तियों के बयान के आधार पर प्रथम दृष्टया यह सामने आया है कि टूटेजा ने डीएमएफ निधि से संबंधित विभिन्न कार्यों में अपने परिचित व्यक्तियों और फर्मों को कथित रूप से कमीशन लेकर काम दिलाया। जांच में यह भी आरोप सामने आए हैं कि टूटेजा ने अपने रिश्तेदारों और करीबियों के फर्म को कमीशन लेकर काम दिया। डिजिटल एविडेंस और बयानों के आधार पर प्रथम दृष्टया टूटेजा के खिलाफ शासकीय राशि के दुरुपयोग, आपराधिक षड्यंत्र और भ्रष्ट आचरण से संबंधित संज्ञेय आरोप हैं। गिरफ्तारी के बाद टूटेजा को कोर्ट में पेश किया गया और 26 फरवरी तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है।

सीएम योगी ने सिंगापुर के जीआईसी के साथ की दीर्घकालिक निवेश पर चर्चा

सिंगापुर/लखनऊ। उत्तर प्रदेश को वैश्विक निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सिंगापुर दौरे के दौरान प्रमुख संप्रभु निवेश संस्था जीआईसी (गवर्मेंट ऑफ सिंगापुर इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी लिम चो किआट और उनकी टीम के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। इस उच्चस्तरीय बैठक में उत्तर प्रदेश में जीआईसी के दीर्घकालिक निवेश की संभावनाओं पर व्यापक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने जीआईसी को उत्तर प्रदेश में दीर्घकालिक निवेश के अवसरों का अन्वेषण करने के लिए आमंत्रित करते हुए राज्य की नीतिगत स्थिरता, सुशासन, मजबूत कानून-व्यवस्था, 25 करोड़ से अधिक की विशाल उपभोक्ता आबादी तथा तेजी से विकसित हो रहे अवसंरचना तंत्र को प्रमुख आकर्षण के रूप में रेखांकित किया।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज भारत की सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था वाला राज्य है और सरकार निवेशकों को सुरक्षित, पारदर्शी एवं अनुकूल वातावरण प्रदान कर रही है। बैठक में औद्योगिक कॉरिडोर के किनारे लॉजिस्टिक्स एवं वेयरहाउसिंग अवसंरचना के विकास, अक्षय ऊर्जा एवं ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं, डेटा सेंटर एवं डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर, उभरते शहरी केंद्रों में वाणिज्यिक रियल एस्टेट व इंटीग्रेटेड टाउनशिप, एमएसएमई पारिस्थितिकी तंत्र के अनुरूप फिनटेक एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म तथा भविष्य उन्मुख उद्योगों के लिए कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार राज्य को 'फ्यूचर-रेडी' औद्योगिक और आर्थिक हब के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश में एक्सप्रेस-वे नेटवर्क, मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क, डिफेंस कॉरिडोर, डेटा सेंटर पार्क और नए औद्योगिक शहरों का तेजी से विकास हो रहा है, जो दीर्घकालिक निवेशकों के लिए स्थिर और लाभकारी अवसर प्रदान करते हैं। जीआईसी, जो विश्व की प्रमुख दीर्घकालिक संप्रभु संपत्ति निवेश संस्थाओं में से एक है।

जनकल्याणकारी नीतियों से मजबूत हो रही प्रदेश की अर्थव्यवस्था : मुख्यमंत्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 प्रदेश की मजबूत, संतुलित और विकासोन्मुख अर्थव्यवस्था का स्पष्ट प्रमाण है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों, किसानों के हित में लिए गए निर्णयों, औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने तथा सेवा क्षेत्र के विस्तार के कारण छत्तीसगढ़ आज विकास की नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि वर्ष 2025-26 में प्रदेश का सकल राज्य घरेलू उत्पाद प्रचलित भावों पर बढ़कर लगभग 6 लाख 31 हजार 291 करोड़ रुपये अनुमानित है, जिसकी वृद्धि दर 11.57 प्रतिशत है, जो राष्ट्रीय औसत से अधिक है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि दर्शाती है कि छत्तीसगढ़ में विकास के सभी प्रमुख क्षेत्र समान रूप से प्रगति कर रहे हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र में 12.53 प्रतिशत वृद्धि अनुमानित है, जो किसानों की मेहनत, तकनीकी नवाचार, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार तथा सरकार की किसान-हितैषी योजनाओं का परिणाम है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान राज्य है और समृद्ध किसान ही विकसित छत्तीसगढ़ की मजबूत नींव हैं। राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को अधिक लाभकारी बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ आज देश की औद्योगिक शक्ति के रूप में तेजी से उभर रहा है। आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार उद्योग क्षेत्र में 10.26 प्रतिशत वृद्धि अनुमानित है और राज्य की अर्थव्यवस्था में उद्योग का योगदान लगभग 49 प्रतिशत है, जो राष्ट्रीय औसत से अधिक है।

उन्होंने कहा कि राज्य में निवेश, अधोसंरचना विकास और रोजगार के अवसर लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे प्रदेश की आर्थिक संरचना और अधिक मजबूत हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेवा क्षेत्र में 13.15 प्रतिशत वृद्धि अनुमानित है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, आईटी एवं डिजिटल सेवाओं में विस्तार के कारण युवाओं के लिए नए अवसर सृजित हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सेवा क्षेत्र के विकास से राज्य की अर्थव्यवस्था को नई गति मिल रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार वर्ष 2025-26 में प्रति व्यक्ति आय बढ़कर लगभग 1.79 लाख रुपये अनुमानित है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 10.07 प्रतिशत वृद्धि दर्शाती है।

उन्होंने कहा कि यह प्रदेशवासियों की बढ़ती आय, आर्थिक गतिविधियों के विस्तार और सरकार की विकासोन्मुख नीतियों का सकारात्मक परिणाम है।

हर परिवार की समृद्धि हमारा लक्ष्य- मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि प्रदेश के प्रत्येक परिवार की आय बढ़े, जीवन स्तर बेहतर हो और समृद्धि हर घर तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि विकास तभी सार्थक है जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और हर परिवार आर्थिक रूप से सशक्त एवं खुशहाल बने।

मुख्यमंत्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि छत्तीसगढ़ आने वाले वर्षों में देश की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में अपना स्थान और मजबूत करेगा तथा विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

विधानसभा के सदस्यों के लिए ब्रह्मा भोजन का आयोजन सुंदर और प्रेरणादायी परंपरा : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय नया रायपुर स्थित शांति सरोवर में छत्तीसगढ़ विधानसभा के सम्मानित सदस्यों के लिए प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्नेह मिलन एवं ब्रह्मा भोजन कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री साय ने ब्रह्माकुमारी बहनों के स्नेह, आत्मीयता और सेवा भाव की सराहना करते हुए कहा कि बहनों के प्रेम और आदर से हम सब अभिभूत हैं। उन्होंने कहा कि हर वर्ष बड़े स्नेह के साथ विधानसभा के सदस्यों के लिए ब्रह्मा भोजन का आयोजन एक सुंदर और प्रेरणादायी परंपरा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा समाज में नैतिक मूल्यों, आध्यात्मिक जागरूकता और आत्मिक शांति के प्रसार की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शांति सरोवर और शांति शिखर जैसे आध्यात्मिक केंद्रों में सदैव सकारात्मक ऊर्जा और आत्मिक शांति की अनुभूति होती है। संस्था का 137 से अधिक देशों में विस्तार होना अत्यंत सुखद और प्रेरक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय अनेक जनकल्याणकारी गतिविधियों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों में जनजागृति लाने का कार्य कर रहा है। महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने में संस्था की भूमिका उल्लेखनीय है। जनजातीय क्षेत्रों में भी संस्था द्वारा सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए किए जा रहे प्रयासों से स्थानीय लोगों को व्यापक लाभ मिला है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ब्रह्माकुमारी बहनों के अतिथि बने और पवित्र ब्रह्मा भोजन ग्रहण किया। कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत सहित कैबिनेट मंत्रीगण और सभी विधायकगणों ने भी ब्रह्मा भोजन का आनंद लिया। कार्यक्रम में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की बहनों ने मुख्यमंत्री एवं विधानसभा के सभी सदस्यों को माउंट आबू आने का आग्रह किया, जिसे मुख्यमंत्री साय ने सहर्ष स्वीकार करते हुए वहां आने की सहमति दी। इस मौके पर नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

चेरामंगी में आयोजित हुआ सिविक एक्शन कार्यक्रम आयोजित

62वीं बटालियन ने पांच गांवों के जरूरतमंदों के बीच बांटी उपयोगी सामग्री

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में सुरक्षा अभियानों के साथ सामाजिक जुड़ाव की कोशिशें भी लगातार जारी हैं। इसी कड़ी में सीआरपीएफ की 62वीं बटालियन ने 23 फरवरी 2026 को चेरामंगी क्षेत्र में सिविक एक्शन कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम पुलिस उप महानिरीक्षक (परिचालनिक) रेंज बीजापुर बी.एस. नेगी के मार्गदर्शन और कमांडेंट दीपक मेहरा की उपस्थिति में संपन्न हुआ। ई/62 बटालियन ने अपने कार्यक्षेत्र के गांव चेरामंगी, दुगाईगुड़ा, चरकडोडी, पेंकरम और पुन्नुर के जरूरतमंद ग्रामीणों के बीच दैनिक उपयोग की सामग्री वितरित की। इनमें कंबल, सोलर लैंप, खेल सामग्री, विद्यार्थियों के लिए अध्ययन सामग्री, कृषि उपयोगी सामान और अन्य आवश्यक वस्तुएं शामिल रहीं। दूरस्थ गांवों से पहुंचे ग्रामीणों ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। अधिकारियों ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रमों का उद्देश्य केवल सहायता वितरण नहीं, बल्कि स्थानीय लोगों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध स्थापित करना और विकासात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई और क्षेत्र में शांति व सुरक्षा बनाए रखने में सहयोग की अपील की गई। ग्रामीणों ने इस पहल को सकारात्मक कदम बताते हुए 62वीं बटालियन के प्रति आभार व्यक्त किया। उनका कहना था कि ऐसे आयोजनों से दूर-दराज के गांवों तक जरूरी सुविधाएं पहुंचती हैं और सुरक्षा बलों के साथ संवाद का अवसर मिलता है। कार्यक्रम में उप कमांडेंट गुलाब प्रसाद यादव, कंपनी कमांडर निरीक्षक जीडी नरेश प्रसाद सोनी, अन्य अधिकारी और जवान मौजूद रहे। साथ ही ग्राम पंचायत प्रतिनिधि, बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे और ग्रामीण भी शामिल हुए।

219वीं बटालियन सीआरपीएफ में तृतीय बैच के संक्षिप्त पीआई प्रशिक्षण का शुभारंभ

इंजराम /मूक पत्रिका

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 219वीं बटालियन मुख्यालय, इंजराम में दो सप्ताह के संक्षिप्त पीआई (Pre-Induction) प्रशिक्षण के तृतीय बैच का शुभारंभ किया गया। आयोजित उद्घाटन समारोह में अधिकारियों एवं जवानों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राजेश पांडे, डीआईजी (पी), कोंटा रेंज तथा पार्थ सारथी घोष, कमांडेंट 219वीं बटालियन द्वारा किया गया। अपने संबोधन में अधिकारियों ने कहा कि यह प्रशिक्षण नव नियुक्त जवानों के शारीरिक, मानसिक एवं व्यावसायिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के माध्यम से जवानों को आंतरिक सुरक्षा संबंधी कर्तव्यों एवं क्षेत्रीय चुनौतियों का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार किया जाएगा। इस बैच में कोंटा रेंज की विभिन्न बटालियनों से कुल 239 कार्मिक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। प्रशिक्षण के दौरान आईईडी की पहचान एवं रोकथाम, हथियार संचालन, मानचित्र अध्ययन, जंगल क्षेत्रों में सामरिक मूवमेंट, विभिन्न केस स्टडी, एफओबी (FOB) की स्थापना तथा एसओजेड (SOZ) से संबंधित जानकारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही टीम भावना, नेतृत्व क्षमता एवं आपसी समन्वय को भी विशेष महत्व दिया जाएगा।समारोह में परमजीत कुमार, कमांडेंट 50वीं बटालियन, विजय शंकर, कमांडेंट 217वीं बटालियन सहित 219वीं बटालियन के वरिष्ठ अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम जवानों की कार्यकुशलता एवं संचालन क्षमता को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

डॉ. शिवेन्द्र त्रिपाठी बने भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ बिलासपुर संभाग प्रभारी

प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव की सहमति से हुई नियुक्ति, संगठन में हर्ष का माहौल

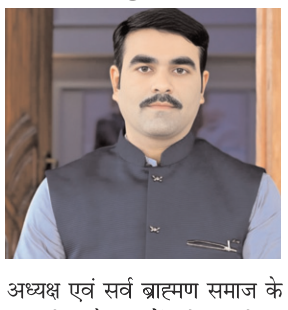

बिलासपुर/रायपुर/मूक पत्रिका

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव की सहमति से भारतीय जनता पार्टी चिकित्सा प्रकोष्ठ, छत्तीसगढ़ के संभाग प्रभारी एवं सह-प्रभारी की घोषणा की गई है।इस क्रम में डॉ. शिवेन्द्र त्रिपाठी को बिलासपुर संभाग का प्रभारी नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति से संगठन में हर्ष एवं उत्साह का वातावरण है।डॉ. शिवेन्द्र त्रिपाठी वर्तमान में आयुर्वेद संघ के जिला अध्यक्ष एवं सर्व ब्राह्मण समाज के महासचिव के रूप में सक्रिय भूमिका निभाते हुए समाज सेवा एवं संगठन सुदृढ़ीकरण में निरंतर महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उनकी कार्यकुशलता, नेतृत्व क्षमता और जनसेवा के प्रति समर्पण सर्वविदित है।पूर्व में चिकित्सा प्रकोष्ठ संयोजक के रूप में भी उन्होंने अपनी प्रभावी कार्यशैली और संगठनात्मक दक्षता का उत्कृष्ट परिचय दिया है। बिलासपुर संभाग प्रभारी के रूप में मिला यह नया दायित्व उनके अनुभव, निष्ठा एवं उत्कृष्ट कार्यों का सम्मान है। विश्वास व्यक्त किया गया है कि उनके सक्षम नेतृत्व में चिकित्सा प्रकोष्ठ नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा तथा संगठन को और अधिक सशक्त एवं व्यापक बनाएगा।

संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने डॉ. शिवेन्द्र त्रिपाठी को इस महत्वपूर्ण दायित्व के लिए हार्दिक बधाई देते हुए उनके सफल एवं उज्ज्वल कार्यकाल की मंगलकामनाएँ प्रेषित की हैं।उनकी नियुक्ति से भाजपा कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है इनमें बधाई देने वालो में मुख्य रूप से डॉ रूपेंद्र सिन्हा डॉ भुनेश्वर साहू डॉ विनय परमार डॉ लालाराम साहू डॉ बी पी यदु डॉ नवीन ठाकुर एवं रामनाथ गंधर्व जी है ।

शासकीय कोदूराम दलित महाविद्यालय नवागढ़ में टीबी जागरूकता हेतु क्विज प्रतियोगिता आयोजित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला स्वास्थ्य विभाग बेमेतरा द्वारा राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत ÷टीबी मुक्त बेमेतरा÷ अभियान को गति देने के उद्देश्य से पंचायत प्रतिनिधियों, मितानिनों, ग्रामीण चिकित्सा अधिकारियों, सीएचओ एवं आरएचओ को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में स्कूली एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।विकासखंड नवागढ़ में कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमृतलाल रोहलेडर के मार्गदर्शन में, खंड चिकित्सा अधिकारी नवागढ़ डॉ. विकास पांडेय एवं बीपीएम सी.के. चंद्राकर के नेतृत्व में 23 फरवरी को राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवागढ़ द्वारा शासकीय कोदूराम दलित महाविद्यालय नवागढ़ में ÷टीबी हारेगा, देश जीतेगा÷ थीम पर टीबी जागरूकता संबंधी क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महाविद्यालयीन विद्यार्थियों में टीबी (क्षय रोग) के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा रोगियों के प्रति भेदभाव की भावना को समाप्त करना था।

प्रतियोगिता में महाविद्यालय के 100 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में इंदु घृतलहरे (बीएससी फोर्थ सेमेस्टर) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान हुसैन कुमार, तृतीय स्थान संदीप पाटिल (बीएससी थर्ड ईयर), चौथा स्थान हेमकुमारी साहू (बीएससी फर्स्ट सेमेस्टर), पांचवां स्थान संध्या साहू तथा छठवां स्थान लक्ष्य ने प्राप्त किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गिरीश कांत पांडे द्वारा प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रो. नर्मदा टंडन, प्रो. मानसी यादव तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवागढ़ से टीबी वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक प्रमोद साहू विशेष रूप से उपस्थित रहे। अंत में महाविद्यालय के समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थियों को टीबी उन्मूलन हेतु शपथ दिलाई गई।

पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू ने सुनी आम जनता की शिकायतें, निराकरण का दिया आश्वासन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) द्वारा आम नागरिकों की शिकायतों एवं समस्याओं की जनसुनवाई की गई। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी-अपनी शिकायतें एवं समस्याएं प्रस्तुत की। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए डीआईजी ने संबंधित थाना/चौकी प्रभारियों को आवेदनों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। तात्कालिक महत्व की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया, जबकि विस्तृत जांच की आवश्यकता वाले प्रकरणों को विधिवत शिकायत के रूप में दर्ज कर संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया। इस अवसर पर रीडर- 1 निरीक्षक कृष्णकांत सिंह, स्टेनो संतोष सोनवानी सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जमीन विवाद में बुजुर्ग की हत्या, 12 घंटे के भीतर नरहरपुर पुलिस को मिली सफलता 5 आरोपी गिरफ्तार

कांकेर/मूक पत्रिका

नरहरपुर उत्तर बस्तर कांकेर 22 फरवरी 2026 जमीन विवाद को लेकर हुए हिंसक घटनाक्रम में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। मामले में नरहरपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 12 घंटे के भीतर पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार ग्राम कोहकाटोला निवासी दयाराम उइके की हत्या पारिवारिक जमीन विवाद के चलते की गई। घटना 22 फरवरी की सुबह लगभग 6 बजे की है। पुराने मकान को तोड़कर नया निर्माण कराने को लेकर परिजनों के बीच विवाद चल रहा था। इसी दौरान कहासुनी बढ़कर मारपीट में बदल गई। बताया गया है कि आरोपियों द्वारा की गई मारपीट में दयाराम उइके गंभीर रूप से घायल हो गए और घटनास्थल पर ही उनकी मृत्यु हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की, शव का पोस्टमार्टम कराया तथा साक्ष्य एकत्र किए।वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में थाना नरहरपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को ग्राम कोहकाटोला से गिरफ्तार किया। पूछताछ के बाद घटना में प्रयुक्त औजार एवं अन्य सामग्री जब्त की गई है।गिरफ्तार आरोपियों में राजेन्द्र उइके, पुनम उइके, दयालु राम उइके एवं विधि से संघर्षरत दो नाबालिग शामिल हैं। सभी के विरुद्ध थाना नरहरपुर में प्रकरण दर्ज कर आगे की विवेचना की जा रही है।कांकेर पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी विवाद या संदिग्ध गतिविधि की जानकारी समय पर पुलिस को दें, ताकि गंभीर घटनाओं को रोका जाए।

एरिया डोमिनेशन के दौरान आईईडी ब्लास्ट, एसटीएफ का प्रधान आरक्षक गंभीर रूप से घायल

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। जिले के उसूर थाना क्षेत्र के गलगम इलाके के जंगलों में सोमवार को एरिया डोमिनेशन अभियान के दौरान आईईडी विस्फोट में एसटीएफ का एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की पुष्टि एडिशनल एसपी चंद्रकांत गवर्ना ने की है। जानकारी के मुताबिक दक्षिण क्षेत्र में सुरक्षाबलों की संयुक्त एरिया डोमिनेशन पर निकली थी। हाल के दिनों में माओवादियों की गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद जवान जंगल के अंदरूनी हिस्सों में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान एक संदिग्ध रास्ते से गुजरते समय जमीन में दबा प्रेशर आईईडी विस्फोट हो गया। विस्फोट उस वक्त हुआ जब एसटीएफ के प्रधान आरक्षक नीलकंठ सिंह का पैर आईईडी पर पड़ गया। धमाका अचानक और तेज था, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। साथी जवानों ने तुरंत उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया और प्राथमिक उपचार दिया। बाद में बेहतर इलाज के लिए एयरलिफ्ट कर रायपुर भेजा गया। फिलहाल उनका इलाज विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में चल रहा है और अधिकारियों के अनुसार उनकी हालत अब खतरे से बाहर है। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके में तलाशी अभियान तेज कर दिया है। आशंका है कि आसपास और भी आईईडी लगाए गए हो सकते हैं। जवान लगातार सघन सर्चिंग कर रहे हैं और क्षेत्र में सतर्कता बढ़ा दी गई है।

रायपुर से गिरौदपुरी धाम तक 145 से अधिक किमी का सफर: कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब की अगुवाई में उमड़ा जनसैलाब

मनखे-मनखे एक समान के जयघोष के साथ संपन्न हुई ऐतिहासिक सतनाम सद्भाव पदयात्रा

आरंग/रायपुर/मूक पत्रिका

बलौदाबाजार/गिरौदपुरी धामः बोल रहा अब हिंदुस्तान-मनखे मनखे एक समान÷ के संकल्प के साथ रायपुर के मोवा स्थित सतनाम भवन में छत्तीसगढ़ मुख्यमंत्री विष्णु देव सायं एवं राजागुरु,धर्मगुरु गुरु बालदास साहेब की उपस्थिति में शुभारंभ हुई पांच दिवसीय ऐतिहासिक 'सतनाम सद्भाव पदयात्रा का पावन तपोभूमि गिरौदपुरी धाम में भव्य समापन हुआ। सतनामी समाज के गुरु एवं छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब के नेतृत्व में निकली इस यात्रा ने न केवल धार्मिक आस्था का प्रदर्शन किया, बल्कि सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता की एक नई मिसाल पेश की।

145 किलोमीटर की यात्रा, 50 से अधिक गांवों में जन-जागरण-मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और राजागुरु धर्मगुरु बालदास साहेब के मार्गदर्शन में शुरू हुई यह यात्रा 145 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय कर गिरौदपुरी पहुंची। यात्रा के दौरान 50 से अधिक गांवों से गुजरते हुए श्रद्धालुओं का जोश देखते ही बनता था। श्वेत ध्वजों और एक दिन तिरंगे झंडे के साथ निकली इस पदयात्रा ने यह संदेश दिया कि मानवता और राष्ट्रवाद एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।? ?गिरौदपुरी धाम पहुँचते ही हजारों श्रद्धालुओं ने गुरु घासीदास बाबा जी की पावन गुरु गद्दी पर मत्था टेका और विशाल जैतखाम की वंदना की। इस अवसर पर पूरा परिसर 'सतनाम' के जयकारों से गूंज उठा। पंथी नृत्य की थाप, मांदर की गूंज और पारंपरिक अखाड़ा दलों के प्रदर्शन ने आध्यात्मिक वातावरण को और भी जीवंत बना दिया।

समरसता भोजः जाति-पाति के बंधन टूटे-इस यात्रा की सबसे बड़ी विशेषता प्रतिदिन आयोजित होने वाला 'समरसता भोज' रहा। इसमें विभिन्न समाजों और धर्मों के लोग एक साथ बैठकर भोजन करते थे, जो बाबा जी के 'बराबरी' के संदेश को जमीन पर उतारने जैसा था। रात्रि विश्राम के दौरान कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने स्थानीय नागरिकों और सेवादारों का शाल-श्रीफल से सम्मान कर उनके योगदान को सराहा। पुष्पवर्षा/स्वागत पूरी पदयात्रा के दौरान मार्ग में ग्रामीणों का उत्साह चरम पर था। कई स्थानों पर छ्रष्टक्र के माध्यम से पुष्पवर्षा की गई और गुरु खुशवंत साहेब का विशाल गजमाला पहनाकर स्वागत किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से छत्तीसगढ़ की लोक परंपराओं और बाबा जी के उपदेशों का जीवंत प्रदर्शन किया गया, जिसने नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ने का प्रयास किया। नारा नहीं, समाज पुनर्निर्माण का संकल्प है ङ्क गुरु खुशवंत साहेब.....? समापन समारोह को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहाः यह यात्रा केवल चलने का नाम नहीं है, बल्कि यह समाज के पुनर्निर्माण का संकल्प है।मनखे-मनखे एक समान' का संदेश तब तक अधूरा है, जब तक हम हर व्यक्ति को समान सम्मान नहीं देते। इस पदयात्रा ने सिद्ध कर दिया है कि जब समाज एक लक्ष्य के लिए एकजुट होता है, तो इतिहास रचा जाता है।÷

अनुशासन और भक्ति का संगम

यात्रा के दौरान श्वेत वस्त्रों में अनुशासित कतारों में चलते पदयात्री सामाजिक एकता की अद्भुत छवि प्रस्तुत कर रहे थे। प्रशासन और सेवा शिविरों के सहयोग से यह विशाल आयोजन निर्बाध रूप से संपन्न हुआ। गिरौदपुरी की धरती पर देर तक एक ही नारा गूंजता रहा- ÷बोल रहा है हिंदुस्तान, मनखे-मनखे एक समान!

स्वास्थ्य विभाग के आशीर्वाद से फल फुल रहा है झोलछाप डाक्टरो का कारोबार

रायगढ/मूक पत्रिका

झोला छाप डॉक्टर लोगों की जान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। गांव गांव में क्लीनिक खोलकर गंभीर बीमारियों का इलाज करने में लगे हुए है। वहीं स्वास्थ्य विभाग जान कर भी अनजान बना हुआ है। यही वजह है कि जिले में अवैध तरीके से संचालित क्लीनिकों की बाढ़ सी गई है। जिले के सभी ब्लाकों में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शासन ने स्थापित किए हैं। इन स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञ चिकित्सक मरीजों का इलाज करने के लिए उपलब्ध है साथ ही निः शुल्क दवा की भी व्यवस्था है। मगर जिला प्रशासन के अस्पतालों में लोग इलाज कराने की बजाय झोलाछाप डॉक्टरों से इलाज करा रहे हैं। मौसमी बीमारी की शिकायत अभी बढ़ गई है। डिग्री लेने वाले एमबीबीएस डॉक्टरों के यहां जितनी भीड़ नहीं होती है उससे कहीं ज्यादा झोलाछाप डॉक्टरों के यहां लाइन देखने को मिल रही है। खास कर ग्रामीण इलाकों में लोगों अज्ञानता की वजह से इनसे इलाज करवाने में लगे है।

रजिस्ट्रेशन और डिग्री के दस्तावेजों का सत्यापन कराने स्वास्थ्य महकमा बिल्कुल भी ध्यान नहीं दे रहा है। बिना रजिस्ट्रेशन के झोलाछाप डॉक्टर मरीजों का इलाज कर रहे हैं। इससे मरीजों की जान भी जा सकती है। यही नहीं, झोलाछाप डॉक्टर अपने क्लीनिक पर आने वाले मरीजों का एक बार जब इलाज शुरू करते हैं तो दूसरे क्लीनिक में जाने भी नहीं देते। बार बार इलाज करने से ठीक नहीं होने के बाद भी मरीज अपनी जान के साथ खिलवाड़ करते रहते हैं और इन्हीं के भरोसे रहते हैं। मलेरिया, ब्लड शुगर, टायफायड, प्रेगनेंसी और ब्लड प्रेशर की जांच करने में भी झोलाछाप डॉक्टर पीछे नहीं रहते। जबकि इनके पास इन बीमारियों की इलाज के लिए संसाधन भी उपलब्ध नहीं रहता। साथ ही ये बीमारियां बहुत ही खतरनाक होते हैं। जरा सी लापरवाही मरीज का जान छीन सकती है। बावजूद मरीज झोलाछाप डॉक्टरों के द्वारा गंभीरता से नहीं लिया जाता है। रायगढ़ ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले तिलगा, भागोरा, पतरापाली, जुनवानी, टारपाली, कोरियादादर जामगाँव,जुनवानी, रेगड़ा, बरलिया,कोतरलिया कई ग्राम पंचायत जहा झोलाछाप डॉ. अवैध रूप से क्लिनिक का संचालन कर रहे है

उपस्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों की अनुपस्थिति का फायदा

उपस्वास्थ्य केंद्रों में पदस्थ एनएम, नर्स व डॉक्टर के समय पर उपस्थित नहीं होने के कारण ग्रामीण मरीज झोलाछाप डॉक्टरों के पास इलाज कराने मजबूर रहते हैं। लापारवाही बरतने वाले शासकीय चिकित्सकों पर भी लगाम कसने की जरूरत है। जिले में कई ऐसे उपस्वास्थ्य केंद्र है, जो समय पर नहीं खुलते हैं या फिर डॉक्टर या स्टाफ उपस्थित नहीं रहता है, किंतु विभागीय कार्रवाई शून्य के बराबर रहती है।

विभाग नहीं कर रहा है कोई कार्रवाई

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा बैठक में झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफकार्रवाई करने के लिए निर्णय लिए जाते हैं तथा बैठक में विभाग के अलग अलग शाखा के अधिकारियों की टीम गठित कर कार्रवाई को अंजाम देने के लिए रणनीति बनाई जा रही है। बैठक में मरीजों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाले तथा निवारक दवाओं की पुड़िया थमाने वाले फर्जी डॉक्टरों पर अंकुश लगाने के लिए विभाग द्वारा टीम गठित किया गया था। लेकिन हाल ही में यह टीम क्षेत्र में नाकारा साबित हो रही है। यह झोलाछाप चिकित्सक शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में अंग्रेजी दवाओं के साथ प्रेक्टिस करने वाले डॉक्टर की डिग्री दवाइयां का रजिस्ट्रेशन लेकर धड़ल्ले से काम रहे हैं। वहीं चिकित्सा विभाग द्वारा अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

बलरामपुर-कुसमी में मौसम का मिजाज बदलेगा: गरज-चमक के साथ हल्की बारिश के आसार

छत्तीसगढ़ में दो लो-प्रेशर एरिया सक्रिय, कुसमी सहित कई इलाकों में बादल छाने और तापमान गिरने की संभावना

बलरामपुर/कुसमी/मूक पत्रिका

मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। प्रदेश में बने दो लो-प्रेशर एरिया और साइक्लोनिक सर्कुलेशन के प्रभाव से बादलों की गतिविधियां बढ़ गई हैं। मौसम विभाग के मुताबिक 23 फरवरी को विशेष रूप से बस्तर संभाग में हल्की वर्षा, गरज-चमक और बिजली गिरने की आशंका जताई गई है। राजधानी रायपुर में दिनभर बादल छाए रहने की संभावना है। वहीं सरगुजा संभाग के अंबिकापुर सहित जिला बलरामपुर के विकासखंड कुसमी में भी हल्की बारिश और गरज-चमक की संभावना व्यक्त की गई है। बदलते मौसम के कारण तापमान में हल्की गिरावट दर्ज हो सकती है, जिससे मौसम अपेक्षाकृत ठंडा और सुहावना रहेगा। मौसम विभाग ने खराब मौसम के दौरान लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। विशेष रूप से खुले मैदानों और पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचने की अपील की गई है, ताकि आकाशीय बिजली जैसी घटनाओं से सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

शटर तोड़कर लाखों की मोबाइल चोरी, CCTV में कैद हुए नकाबपोश चोर

घरघोड़ा/मूक पत्रिका

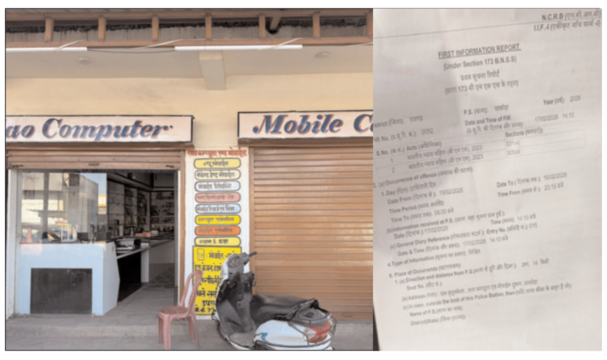

घरघोड़ा थाना क्षेत्र में एक मोबाइल दुकान को निशाना बनाते हुए अज्ञात नकाबपोश चोरों ने लाखों रुपये की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। घटना ग्राम कुडुमकेला के तेलीपारा निवासी 31 वर्षीय सेतराम साव की ÷साव कंप्यूटर एंड मोबाइल÷ नामक दुकान में हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार सेतराम साव सड़कपारा मेन रोड स्थित अपनी दुकान को 15 फरवरी की रात करीब सवा 8 बजे रोज की तरह बंद कर घर चले गए थे। देर रात अज्ञात 4-5 चोरों ने दुकान के शटर का ताला लोहे की रॉड से तोड़ दिया और अंदर घुस गए। चोरों ने दुकान में रखे नए और पुराने मोबाइल फोन एक-एक कर बैग में भर लिए और मौके से फरार हो गए। चोरी की यह पूरी घटना दुकान में लगे CCTV कैमरे में कैद हो गई। फुटेज में साफदिखाई दे रहा है कि सभी चोरों ने अपने चेहरे कपड़े से ढक रखे थे। हैरानी की बात यह रही कि जाते समय चोर CCTV कैमरा भी अपने साथ ले गए, लेकिन DVR वहीं छोड़ गए। इसी DVR में पूरी वारदात रिकॉर्ड हो गई, जो अब पुलिस के लिए अहम सबूत साबित हो सकती है। घटना के बाद पीड़ित दुकानदार सेतराम साव ने घरघोड़ा थाना पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई है। फिलहाल पुलिस CCTV फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान और तलाश में जुट गई है। इलाके में इस घटना के बाद व्यापारियों में दहशत का माहौल है, वहीं लोग आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

हाईकोर्ट के आदेश पर लगा हाउसिंग बोर्ड के निर्माण कार्य पर रोक, वार्ड नं 22 की कॉलोनी में गार्डन निर्माण को लेकर विवाद

रायगढ/मूक पत्रिका

स्थानीय स्तर पर सुलझाने वाले एक मामले को हाउसिंग बोर्ड की हठधर्मिता के कारण मोहल्लेवासियों को हाई कोर्ट तक ले जाना पड़ा।जहां आखिरकार उच्च न्यायालय द्वारा हाउसिंग बोर्ड द्वारा नियम की अनदेखी कर किए जा रहे निर्माण कार्य पर अंतरिम आदेश तक रोक लगा दिया गया है।मामला चक्रधर नगर क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 22 का है।जहां स्थित पी के तामस्कर कालोनी में गृह निर्माण मंडल द्वारा गार्डन और स्टेज निर्माण का कार्य कराया जाना था।जिसके लिए कालोनी में मौजूद छोटी सी जगह में बाउंड्री वाल निर्माण के कार्य की शुरुआत की गई थी।परन्तु स्थल अभाव को देखते हुए मोहल्लेवासियों द्वारा इस निर्माण का विरोध भी किया गया।बावजूद इसके गृह निर्माण विभाग द्वारा कार्य जारी रखा गया।जिसे लेकर अंततः मोहल्लेवासियों को उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाना पड़ा।वही हाईकोर्ट के आदेश के बाद निर्माण कार्य पर रोक लगा दी गई है।

सड़क की निर्धारित चौड़ाई प्रभावित-गौरतलब हो कि शहर के वार्ड क्रमांक-22 स्थित पी.के. तामस्कर कॉलोनी में प्रस्तावित गार्डन निर्माण को लेकर विवाद अब न्यायालय तक पहुंच गया है। मामले में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर ने संबंधित निर्माण कार्य पर आगामी आदेश तक रोक लगाने के निर्देश दिए हैं।प्राप्त जानकारी के अनुसार, कॉलोनी निवासी लीलाम्बर प्रसाद कश्यप द्वारा दायर रिट याचिका में राज्य शासन, छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड, कलेक्टर रायगढ़, नगर निगम आयुक्त एवं कार्यपालन अभियंता को पक्षकार बनाया गया है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि कॉलोनी के बीच स्थित खाली भूमि पर गार्डन निर्माण के नाम पर बाउंड्रीवाल खड़ी की जा रही है, जिससे सड़क की चौड़ाई प्रभावित हो रही है।आवेदक का कहना है कि स्वीकृत लेआउट के अनुसार सड़क की चौड़ाई 25 फीट निर्धारित है, लेकिन वर्तमान निर्माण के चलते सड़क संकरी हो रही है, जिससे आवागमन में बाधा उत्पन्न हो रही है। साथ ही आपातकालीन स्थिति में फायर ब्रिगेड जैसे वाहनों की आवाजाही भी प्रभावित हो सकती है। कॉलोनी के बीच स्थित पेड़ एवं विद्युत खंभे भी सड़क के बीच में आ रहे हैं, जिससे समस्या और बढ़ रही है।

स्थानीय स्तर पर की थी शिकायत-मामले को लेकर पूर्व में स्थानीय स्तर पर भी शिकायत की गई थी, जिसमें संबंधित अधिकारियों से निर्माण स्थल का निरीक्षण कर स्वीकृत लेआउट के अनुसार ही कार्य कराने की मांग की गई थी। साथ ही सड़क के बीच स्थित पेड़ और बिजली खंभों को हटाकर व्यवस्थित करने की मांग भी रखी गई थी।उच्च न्यायालय में सुनवाई के दौरान न्यायालय ने प्रथम दृष्टया मामले को गंभीर मानते हुए 17 फरवरी 2026 को निर्माण कार्य पर अंतरिम रोक लगाने का आदेश पारित किया है। साथ ही संबंधित पक्षों को निर्देशित किया गया है कि आगामी आदेश तक किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य न किया जाए।फिलहाल न्यायालय के आदेश के बाद निर्माण कार्य पर रोक लग गई है और अब अगली सुनवाई में मामले की स्थिति स्पष्ट होगी। वहीं कॉलोनीवासियों में इस फैसले को लेकर राहत की सांस ली है।

कुसमी के प्रदीप गुप्ता पुनः बने भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष

संगठन के प्रति समर्पण का मिला सम्मान, कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर

कुसमी/मूक पत्रिका

भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला बलरामपुर की कार्यकारिणी की रविवार को घोषणा की गई, जिसमें कुसमी के कंजिया निवासी प्रदीप गुप्ता को संगठन ने पुनः जिला उपाध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। गौरतलब है कि प्रदीप गुप्ता पूर्व में भी पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष रह चुके हैं। संगठन के प्रति उनकी सक्रियता, निष्ठा और समर्पण को देखते हुए पार्टी ने एक बार फिर उन पर विश्वास जताया है। प्रदीप गुप्ता लंबे समय से भाजपा संगठन से जुड़े हुए हैं और विभिन्न दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं। वे जिला उपाध्यक्ष के साथ-साथ एकलव्य आवासीय विद्यालय कुसमी में सांसद प्रतिनिधि की भूमिका भी निभा रहे हैं। इसके अतिरिक्त वे ग्राम पंचायत जमीरा से दो बार उपसरपंच तथा ग्राम पंचायत कंजिया से पंच रह चुके हैं। भाजपा मंडल कुसमी में भी वे विभिन्न पदों पर सक्रिय भूमिका निभा चुके हैं।

उनकी पुनः नियुक्ति से समर्थकों, शुभचिंतकों और कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल है। संगठन के पदाधिकारियों ने उम्मीद जताई है कि उनके नेतृत्व में मोर्चा और अधिक सशक्त होगा।

काशीचुवा पंचायत मे सूचना का अधिकार बना मजाक, समय सीमा खत्म होने के बाद भी जन सूचना अधिकारी जानकारी देने मे कर रहे आनाकानी

रायगढ/मूक पत्रिका

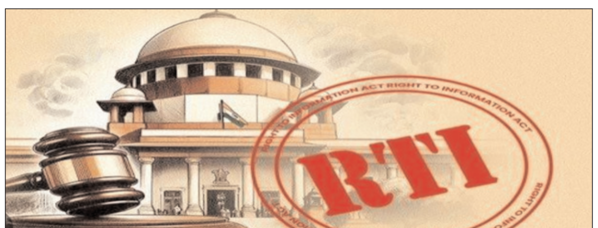

सूचना के अधिकार (आरटीआइ) के तहत कोई भी आवेदक किसी भी सरकारी कार्य की जानकारी हासिल कर सकता है जिसके तहत उस विभाग के उक्त अधिकारी को एक्ट के मुताबिक एक माह में उस आवेदक को वह जानकारी देनी होती है, लेकिन अधिकारियों की तरफ से इस एक्ट की सरेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैंमामला जनपद पंचायत रायगढ़ के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत काशीचुवा का है आवेदक के द्वारा 23/1/2026 को कैशबुक संबंधित जानकारी सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई थी लेकिन विडंबना यह है कि समय सीमा समाप्त होने के बाद भी जन सूचना अधिकारी काशीचुवा के द्वारा आवेदक को किसी प्रकार की कोई जानकारी नहीं दी गई आवेदक का कहना है कि जिस अधिकारी से कोई भी जानकारी मांगी जाती है उसे एक्ट के मुताबिक समय पर जानकारी देना उस अधिकारी की ड्यूटी बनती है लेकिन इन सब बातों को नजरअंदाज करके अधिकारी अपनी मनमानी कर रहे हैं।

जन सूचना अधिकारी के द्वारा भ्रष्टाचार उजागर होने की डर से आवेदक को जानकारी प्रदान नहीं की जा रही हैमुख्य समस्याएँ और शिकायतेंः

जानकारी से इनकार/देरीः जन सूचना अधिकारी (PIOs) अक्सर बिना किसी उचित कारण के जानकारी देने से इनकार करते हैं या बहुत देर से देते हैं, जिससे जानकारी का महत्व खत्म हो जाता है. भ्रामक/झूठी जानकारीः कई बार पूरी और सही जानकारी देने के बजाय आधी-अधूरी, झूठी या गुमराह करने वाली जानकारी दी जाती है.अधिकारियों की मनमानीः अधिकारी जुर्माना लगने के डर के बिना जानकारी छिपाते हैं, और अपील करने पर भी कोई कार्रवाई नहीं होती, जिससे नागरिक हतोत्साहित होते हैं.ऋऋढ्ढ अधिनियम में संशोधनः 2019 के संशोधनों ने सूचना आयुक्तों की स्वायत्तता और स्वतंत्रता को कमजोर किया, जिससे वे सरकार के दबाव में आ सकते हैं.

जनपद कार्यालय बरमकेला में जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि ओमप्रकाश पिंटू चौहान का जन्मदिवस हर्षोल्लास से मनाया गया

बरमकेला/मूक पत्रिका

जनपद कार्यालय बरमकेला में आज जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि ओमप्रकाश पिंटू चौहान जी का जन्मदिवस बड़े ही उत्साह, आत्मीयता और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष चेम्बर में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहाँ केक काटकर जन्मदिन की खुशियाँ साझा की गई।कार्यक्रम में सभी जनपद सदस्य, अजय पटेल मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं समस्त जनपद स्टॉफ की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी ने श्री ओमप्रकाश पिंटू चौहान को पुष्पगुच्छ भेंट कर जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और उनके स्वस्थ, दीर्घायु एवं सफल जीवन की कामना की। जन्मदिवस समारोह के दौरान कार्यालय परिसर में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। साथियों ने कहा कि ओमप्रकाश पिंटू चौहान अपने सरल स्वभाव, मिलनसार व्यक्तित्व और जनहित के प्रति समर्पित कार्यशैली के लिए जाने जाते हैं। उनके नेतृत्व में जनपद क्षेत्र में विकास कार्यों को नई दिशा और गति मिली है।जनपद सदस्यों ने अपने संबोधन में कहा कि श्री चौहान का सहयोगात्मक दृष्टिकोण एवं सकारात्मक सोच प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करता है, जिससे योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँच रहा है।जनपद सदस्य अजय पटेल ने भी शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि उनका नेतृत्व क्षेत्र के लिए प्रेरणादायक है और आने वाले समय में भी वे इसी ऊर्जा के साथ जनसेवा करते रहेंगे।कार्यक्रम के अंत में सभी ने केक काटकर एक-दूसरे को मिठाई खिलाई और जन्मदिवस की खुशियाँ साझा कीं। पूरा जनपद कार्यालय उल्लास और आत्मीयता के रंग में रंगा नजर आया।समारोह में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों और कर्मचारियों ने एक स्वर में ईश्वर से प्रार्थना की कि ओमप्रकाश पिंटू चौहान जी निरंतर स्वस्थ रहें और क्षेत्र की प्रगति एवं जनकल्याण के कार्यों में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते रहें।

मुख्यमंत्री राष्ट्र संत शिरोमणि गाडगे बाबा 150वीं जयंती पर आयोजित निर्मल दिवस कार्यक्रम में हुए शामिल

संत गाडगे बाबा ने दिया स्वच्छता ही सच्ची पूजा का संदेश: मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर/मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में राष्ट्र संत शिरोमणि गाडगे बाबा की 150वीं जयंती पर आयोजित निर्मल दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हम सभी ऐसे महान संत का स्मरण कर रहे हैं, जिन्होंने अपने जीवन और कर्मों से समाज को स्वच्छता, सेवा और सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि संत गाडगे बाबा ने ÷स्वच्छता ही सच्ची पूजा÷ का जो संदेश दिया, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक और प्रेरणादायक है।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि संत गाडगे बाबा की स्वच्छता की प्रेरणा से उन्हें प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए स्वच्छ भारत अभियान का स्मरण हो गया। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त 2014 को लाल किले से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत की और आज स्वच्छता जनआंदोलन बन चुकी है। उन्होंने कहा कि यह संत गाडगे बाबा के विचारों का ही प्रभाव है कि देश में स्वच्छता के प्रति व्यापक जागरूकता आई है।मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान ने विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में हमारी माताओं-बहनों को सम्मान दिलाने का कार्य किया है। देशभर में शौचालयों के निर्माण से उनकी गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीबों के उत्थान के लिए अनेक ऐतिहासिक योजनाएँ शुरू की गई, जिनमें प्रधानमंत्री आवास योजना और प्रधानमंत्री जनधन योजना जैसी पहलें शामिल हैं। आज सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों तक पहुँच रहा है, जिससे पारदर्शिता और विश्वास दोनों बढ़े हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि देश आर्थिक रूप से निरंतर मजबूत हो रहा है और हम सभी विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के साथ-साथ विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण भी हमारा संकल्प है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि समाज के हर वर्ग का सम्मान बढ़े और सभी समुदाय विकास की मुख्यधारा से जुड़ें।मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा ही विकास का मूलमंत्र है। शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त कर नौकरी हासिल करने का माध्यम नहीं, बल्कि सफल और संस्कारित जीवन जीने की आधारशिला है। उन्होंने समाज से अपील करते हुए कहा कि सभी बच्चों को शिक्षा से जोड़ना हम सबकी जिम्मेदारी है।

साथ ही उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रखने और समाज में नशामुक्त वातावरण बनाने के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया।इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने संत गाडगे बाबा के जीवन पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा उनकी आरती एवं स्मारिका का विमोचन किया। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावान बच्चों और समाज के उत्कृष्ट व्यक्तियों को सम्मानित भी किया।कार्यक्रम को विधायक श्री सुनील सोनी, विधायक श्री मोतीलाल साहू तथा पद्मश्री पंडित रामलाल बरेठ ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर संत गाडगे बाबा के वंशज भी मंच पर उपस्थित थे। कार्यक्रम में श्री तुलसी कौशिक, श्री घनश्याम चौधरी, श्रीमती रजनी रजक, श्री विनय निर्मलकर सहित छत्तीसगढ़ रजक समाज के पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

संपादकीय

आधी आबादी का हक, न्यायिक व्याख्या और नारी गरिमा का प्रश्न

महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों की सुनवाई और फैसले की दिशा इस बात पर निर्भर करती है कि न्यायालय में पीड़िता के पक्ष पर कितनी संजीदगी के साथ गौर किया गया। खासतौर पर हमारे देश में बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों के मामले में न केवल इस अपराध की प्रकृति, बल्कि उसका पीड़िता के मन-मस्तिष्क पर पड़ने वाले प्रभावों को ध्यान में रखते हुए बेहद संवेदनशील रुख अपनाने की जरूरत होती है, लेकिन कई बार इन तकाजों को प्राथमिक नहीं माना जाता।मगर अब सर्वोच्च न्यायालय ने इस संदर्भ में एक जरूरी मानक सामने रखा है कि निचली अदालतों में बलात्कार के मामलों पर सुनवाई करते हुए कितना संवेदनशील होने की जरूरत है! गौरतलब है कि पिछले वर्ष मार्च में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अपने फैसले में एक नाबालिग लड़की पर यौन इरादे से शारीरिक बलप्रयोग को बलात्कार के प्रयास का अपराध नहीं माना और आरोपों को हल्का करार दिया। उस समय भी अदालत के रुख और उसकी टिप्पणियों पर तीखे सवाल उठे थे।अब सुप्रीम कोर्ट ने जिस तरह इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया, उससे एक बार फिर महिलाओं की गरिमा और अधिकारों की रक्षा के लिए न्यायिक व्यवस्था के प्रति भरोसा मजबूत हुआ है। दरअसल, इलाहाबाद हाई कोर्ट ने संबंधित मामले में बलात्कार से संबंधित कानून के प्रावधानों की विचित्र व्याख्या करके आरोपियों के प्रति जिस तरह नरम रुख अख्तियार किया था, वह अपने आप में न्याय की प्रक्रिया पर एक गंभीर सवाल था।खासतौर पर एक नाबालिग लड़की पर तीन युवकों के शारीरिक बलप्रयोग, बदतमीजी और उसकी गरिमा को चोट पहुंचाने की जिस स्तर पर अनदेखी की गई और आरोप की गंभीरता को कम किया गया, उस पर खुद सुप्रीम कोर्ट ने भी गहरी नाराजगी जताई थी। बीते वर्ष 25 मार्च को शीर्ष अदालत की पीठ ने साफ शब्दों में कहा था कि यह फैसला पूरी तरह से असंवेदनशील और अमानवीय नजरिए को दिखाता है, इसलिए इस पर रोक जरूरी है। अब उसी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट को फटकार लगाई और उसके विवादित फैसले को पलटते हुए नाबालिग लड़की से की गई हरकत को 'बलात्कार का प्रयास' करार दिया।अब यह मुकदमा गंभीर अपराध और पाक्सो अधिनियम के सख्त प्रावधानों के तहत चलेगा। निश्चित रूप से सुप्रीम कोर्ट का यह रुख महिलाओं के खिलाफ जघन्य अपराधों की रोकथाम और खासतौर पर अदालतों में बलात्कार जैसे गंभीर अपराध की सुनवाई के क्रम में कभी-कभार बरती जाने वाली असंवेदनशीलता के मद्देनजर बेहद अहम है। सवाल है कि ऐसे मामलों में कानूनी प्रावधानों की व्याख्या करते हुए अपराध की प्रकृति, पीड़िता की स्थिति और सामाजिक हकीकतों को ध्यान में रखना जरूरी क्यों नहीं समझा जाता!

दरअसल, बालपन में ही 'अहं' और 'मैं' का द्वंद्व शुरू हो जाता है। एक बच्चे के लिए महत्त्वपूर्ण 'हम' है। वह अपने मां-पिता, दादा-दादी, भाई-बहनों के साथ रहने में आनंद और प्रसन्नता का अनुभव करता है और उसके सपनों का घर भी उसके मन की तरह विशाल और भव्य है, जिसमें वह सबके साथ हंसी-खुशी रहने का सुखद सपना संजोए है। इसलिए उसने एक ही घर बनाया है। जबकि एक बच्चे के लिए महत्त्वपूर्ण है उसका 'मैं'।'

'मैं' का अंधेरा और 'हम' का उजाला, सामूहिकता में ही जीवन का सार

(बुलाकी शर्मा)

अपने सपनों के घर में वह अकेला रहना पसंद करता है। ऐसा घर, जिस पर उसका एकाधिपत्य हो, जहां वह निर्द्वंद्व भाव से अपने मन की करने के लिए स्वतंत्र हो, कोई रोक-टोक न हो। भविष्य का जो सपना उसके मन में उछल-कूद मचाए हुए है, उसमें भी उसका 'अहं' हावी है।

जीवन में अक्सर ऐसे पल आते हैं, जब किसी अनमोल सबक का जरिया अपने आसपास का कोई बच्चा बन जाता है। एक जगह दो बच्चे साथ खेलते हुए घर बना रहे थे। एक बच्चे ने दो घर बनाए- एक छोटा और दूसरा बड़ा। दूसरे ने एक दोमंजिला घर बनाया। पहले ने कहा कि मेरा बड़ा वाला घर मेरे लिए और छोटा वाला मां-पिता और दादा-दादी के लिए। दूसरे ने कहा कि मुझे सबसे साथ रहने में अच्छा लगता हैज हम सब साथ-साथ रहेंगे, एक ही घर में। दूसरे बच्चे की निश्छल, निस्वार्थ और सबके साथ रहने की बात एक अनमोल सबक थी।

दरअसल, बालपन में ही 'अहं' और 'मैं' का द्वंद्व शुरू हो जाता है। एक बच्चे के लिए महत्त्वपूर्ण 'हम' है। वह अपने मां-पिता, दादा-दादी, भाई-बहनों के साथ रहने में आनंद और प्रसन्नता का अनुभव करता है और उसके सपनों का घर भी उसके मन की तरह विशाल और भव्य है, जिसमें वह सबके साथ हंसी-खुशी रहने का सुखद सपना संजोए है। इसलिए उसने एक ही घर बनाया है। जबकि एक बच्चे के लिए महत्त्वपूर्ण है उसका 'मैं।'

अपने सपनों के घर में वह अकेला रहना पसंद करता है। ऐसा घर, जिस पर उसका एकाधिपत्य हो, जहां वह निर्द्वंद्व भाव से अपने मन की करने के लिए स्वतंत्र हो, कोई रोक-टोक न हो। भविष्य का जो सपना उसके मन में उछल-कूद मचाए हुए है, उसमें भी उसका 'अहं' हावी है। इन दो बच्चों की तरह ही हम सबमें कमोबेश यह प्रवृत्ति उपस्थित मिलेगी। 'अहं' को अहमियत देते हुए स्वयं को सर्वोपरि मानने वाले भी हमारे बीच हैं और 'हम' को अहमियत देते हुए सबके प्रति समभाव रखने वाले भी हैं।

अहं के भाव की मनोवृत्ति मनुष्य को एकाकी बनाती है, क्योंकि वह अन्य के प्रति उपेक्षा भाव रखता है। उन्हें अपने समक्ष मानने से उसका दंभ जख्मी होने लगता है। वह अन्य को हेय और स्वयं को श्रेष्ठ मानने के भ्रम में जीता है। ऐसी मानसिकता के लोगों पर राजस्थानी में एक कहावत है- 'म्हनैं घड़गी जिकी बाड़ में बड़गी।' मतलब कि विधाता ने उसे खासतौर पर गढ़ा है, उसके बाद उसने ऐसी विलक्षण विभूति गढ़नी बंद ही कर दी।

वे यह मानने को ही तैयार नहीं होते कि उनसे सुयोग्य व्यक्ति भी इसी धरा पर मौजूद हैं। आत्ममुग्धता के व्यामोह में उलझे हुए ऐसे व्यक्ति अपने से ज्यादा प्रतिभासंपन्न व्यक्तित्व को 'रोगी' कहने में भी संकोच नहीं करते। अहं की मनोवृत्ति व्यक्ति को अहंकारी, असहिष्णु, अभिमानी, आत्ममुग्ध और दंभी बनाती है। इस प्रवृत्ति का व्यक्ति अगर घर का मुखिया है या किसी सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, व्यावसायिक आदि समूह या संस्थान का प्रमुख है, तो वह स्वयं के निर्णय को ही सर्वोपरि मानते हुए अन्य सभी से अपेक्षा रखेगा कि वे बिना तर्क-वितर्क के उसे स्वीकार करें।

अन्य से राय-मशविरा करना या अन्य की सलाह या सुझाव को स्वीकारना उसे स्वीकार नहीं होता। अपना निर्णय अन्य पर थोपने से उसके अहं की संतुष्टि और गर्व की अनुभूति होती है। वह न उम्र का लिहाज करता है, न किसी पद या प्रतिष्ठा का। अन्य को कमतर और स्वयं को बेहतर बताने में ही उसकी ऊर्जा का अपव्यय होता रहता है। ऐसी मानसिकता के व्यक्ति अनुदार, अव्यावहारिक और आत्ममुग्ध होते हैं। अहं में उलझा व्यक्ति अन्य से सहज, शालीन और शिष्ट व्यवहार करने में अपनी हेठी समझता है।

उसका यह व्यवहार उसे अपने परिजनों, मित्रों, शुभचिंतकों से दूर करता जाता है, बावजूद इसके वह भ्रम पाले रहता है कि उसके प्रभावी व्यक्तित्व के ताप को सहन न कर पाने से वे उसके नजदीक आने से घबराते हैं। ऐसे व्यक्ति को धीरे-धीरे अकेलेपन का शिकार होना पड़ता है।

जबकि 'हम' यानी सबकी निजता का आदर और सम्मान करना, समूह भाव से रहना। खुशी हो या गम, मिलकर उन्हें साझा करना। हरेक के प्रति समभाव रखना।

सहयोग के लिए तत्पर रहना। हरेक की भावनाओं का सम्मान करना और उनकी राय और सुझाव पर सकारात्मक भाव से सामूहिक विचार-विमर्श कर काम करना। हम की भावना रखने वाले लोगों को समूह के साथ रहने और सामूहिक निर्णय से आनंद की अनुभूति होती है। उनकी दृष्टि सकारात्मक रहती है। वे किसी की कमी पर नुक्ताचीनी करने की जगह उसकी उपलब्धियों-खासियतों की प्रशंसा कर उसे अपनी कमियां दूर करने के लिए प्रेरित करते हैं। जंगल में जगह-जगह बिखरी लकड़ियों की अहमियत तब ज्यादा बढ़ जाती है जब उन्हें इकट्ठा कर गट्ठर बनाया जाता है।

अहं से मुक्त होकर ही हम गट्ठर की भांति संगठित हो पाते हैं और सामूहिकता में अपनत्व और आत्मीयता का अनुभव होता है। सुख-दुख साझा करते हैं, समस्याओं का निस्तारण सुगमता से कर पाते हैं। 'हम' प्रवृत्ति के व्यक्ति स्वाभिमानी होते हैं, किंतु अभिमानी नहीं। अपने स्वाभिमान के साथ ही वे दूसरों के स्वाभिमान का सम्मान करते हुए उनके प्रति सहज, सौम्य और शालीन व्यवहार करते हैं। मगर अहं में उलझा व्यक्ति अभिमानी होता है, स्वाभिमानी नहीं। अभिमानी व्यक्ति को दूसरे के स्वाभिमान पर चोट करके अमानुषी तुष्टि मिलती है।

ऐसा व्यक्ति स्वयं की रीढ़ की हड्डी तनी रखना चाहता है, लेकिन दूसरों की रीढ़ को रबर की मानते हुए इस दंभ से रहता है कि अन्य सब उसके सामने झुके रहें। जबकि हम वृत्ति का व्यक्ति सबकी रीढ़ की हड्डी तनी हुई देख कर प्रसन्न होता है। अहं और अभिमान से मुक्त होकर हम 'वसुधैव कुटुंबकम्' के भावों से ओतप्रोत सभी धर्म, मजहब, संप्रदायों का सम्मान करते हुए आपस में भाईचारा, प्रेमभाव, सौहार्द, सद्भाव से सबके स्वाभिमान की रक्षा करते हुए स्वाभिमान के साथ रहें, हम वृत्ति के व्यक्ति इस पर अमल करने की पूरी कोशिश करते हुए यह कामना करते रहते हैं कि हम भाव का विस्तार हो और सभी स्वाभिमान से जिएं और सबको स्वाभिमान से जीने दें।

जब तक अंतिम व्यक्ति सुरक्षित नहीं, अधूरा है विकास

(योगेश कुमार गोयल)

वर्ष 2026 में सामाजिक न्याय का विश्व दिवस की थीम है 'समावेशन को सशक्त बनाना- सामाजिक न्याय के लिए अंतर को पाटना'। यह थीम स्पष्ट करती है कि असमानताओं को कम करने के लिए केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं है। जरूरी यह है कि विकास की प्रक्रिया में समाज के हर वर्ग की वास्तविक भागीदारी सुनिश्चित हो।

किसी भी समाज की सच्ची प्रगति उसकी ऊंची इमारतों या तेज आर्थिक वृद्धि से नहीं बल्कि इस बात से मापी जानी चाहिए कि वह अपने सबसे कमजोर, वंचित और हाशिए पर खड़े नागरिकों को कितना न्यायपूर्ण, सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन प्रदान करता है। 20 फरवरी को मनाया जाने वाला सामाजिक न्याय का विश्व दिवस मानव सभ्यता की उस मूल चेतना का प्रतीक है, जिसके बिना न तो शांति संभव है और न ही टिकाऊ विकास। इस दिवस की स्थापना इसलिए की गई थी ताकि गरीबी, बेरोजगारी, सामाजिक बहिष्कार, असमानता और भेदभाव जैसी जटिल वैश्विक समस्याओं के समाधान के लिए देशों के बीच साझा प्रतिबद्धता को मजबूती मिल सके। यह एक चेतावनी भी है कि बढ़ती असमानताएं समाज की नींव को भीतर से कमजोर कर रही हैं और साथ ही एक अवसर भी है कि समय रहते ठोस नीतियों, संवेदनशील शासन और सामूहिक प्रयासों से इस प्रवृत्ति को बदला जा सकता है।

वर्ष 2026 में सामाजिक न्याय का विश्व दिवस की थीम है 'समावेशन को सशक्त बनाना- सामाजिक न्याय के लिए अंतर को पाटना'। यह थीम स्पष्ट करती है कि असमानताओं को कम करने के लिए केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं है। जरूरी यह है कि विकास की प्रक्रिया में समाज के हर वर्ग की वास्तविक भागीदारी सुनिश्चित हो। समावेशन का अर्थ केवल योजनाओं का लाभ पहुंचाना नहीं बल्कि निर्णय-निर्माण की प्रक्रिया में उन लोगों की आवाज को स्थान देना है, जो अब तक हाशिए पर रहे हैं। जब तक नीतियां केवल केंद्रों में बनती रहेंगी और उनका प्रभाव जमीनी स्तर तक नहीं पहुंचेगा, तब तक सामाजिक न्याय एक अधूरा लक्ष्य बना रहेगा।

यह दिवस विशेष प्रासंगिकता रखता है क्योंकि आज की दुनिया एक गहरे संक्रमणकाल से गुजर रही है। वैश्वीकरण, तकनीकी प्रगति, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जलवायु परिवर्तन और भू-राजनीतिक तनावों ने आर्थिक व सामाजिक ढ़ांचों को तेजी से बदला है। इन बदलावों का लाभ जहां कुछ सीमित वर्गों तक सिमट गया है, वहीं बड़ी आबादी, विशेषकर गरीब, असंगठित क्षेत्र के श्रमिक, महिलाएं, प्रवासी, दिव्यांगजन और अल्पसंख्यक समुदाय, और अधिक असुरक्षित होती जा रही है। ऐसे समय में सामाजिक न्याय केवल नैतिक आदर्श नहीं, नीति और शासन की अनिवार्य प्राथमिकता बन चुका है।

सामाजिक न्याय की अवधारणा अवसरों, संसाधनों और अधिकारों के निष्पक्ष वितरण से जुड़ी है। इसका मतलब यह नहीं कि सभी को समान परिणाम मिलें बल्कि यह है कि सभी को समान अवसर उपलब्ध हों। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास और कानूनी सुरक्षा तक समान पहुंच इसके मूल स्तंभ हैं। जब किसी व्यक्ति का भविष्य उसकी जाति, लिंग, धर्म, जन्मस्थान या आर्थिक स्थिति से तय होने लगे, तब यह स्पष्ट संकेत होता है कि समाज में न्याय का संतुलन बिगड़ चुका है। आज वैश्विक स्तर पर असमानताओं की खाई लगातार चौड़ी हो रही है। एक ओर अत्यधिक संपन्न वर्ग है, जिसके पास संसाधनों और अवसरों की प्रचुरता है, वहीं दूसरी ओर करोड़ों लोग बुनियादी आवश्यकताओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बेरोजगारी, असुरक्षित रोजगार और कम वेतन ने विशेष रूप से युवाओं के सामने गंभीर संकट खड़े कर दिए हैं। इसी संदर्भ में सम्मानजनक कार्य और मजबूत सामाजिक सुरक्षा तंत्र की आवश्यकता सामने आती है। पेंशन, स्वास्थ्य बीमा, बेरोजगारी सहायता और खाद्य सुरक्षा जैसी व्यवस्थाएं केवल कल्याणकारी योजनाएं नहीं बल्कि सामाजिक स्थिरता और भरोसे की आधारशिला हैं। भारत में सामाजिक न्याय का विचार गहरे संवैधानिक मूल्यों से जुड़ा है। संविधान की प्रस्तावना सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय की गारंटी देती है जबकि मौलिक अधिकार और राज्य नीति के निदेशक सिद्धांत असमानताओं को कम करने और कल्याणकारी राज्य की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

जो आज है, वह कल नहीं रहेगा

(सुंदरचंद ठाकुर)

जीवन का सबसे अनदेखा सत्य यह है कि कुछ भी स्थायी नहीं है। जो अभी है, वह अगले ही क्षण बदलने की प्रक्रिया में है। फिर भी हम हर अनुभव को स्थायी मान लेते हैं। जो दुख अभी दिल पर रखा है, हमें लगता है वह हमेशा रहेगा। जो सुख अभी मिला है, हम चाहते हैं वह कभी छिने नहीं। और इसी चाह और भय के बीच हम थकते रहते हैं। थोड़ा ठहर कर देखिए। पांच वर्ष पहले जो बात आपको तोड़ रही थी, आज वह स्मृति भर है। जिस व्यक्ति के जाने से जीवन रुकता हुआ लगा था, उसके बिना भी जीवन चल पड़ा। जिस असफलता ने आपको शर्मिंदा किया था, वही शायद आज आपकी परिपक्वता का कारण है। इसका अर्थ यह नहीं कि दुख छोटा था। उसका अर्थ केवल इतना है कि दुख भी स्थायी नहीं था।

मन की प्रकृति ही बदलना है। सुबह जो विचार आते हैं, शाम तक बदल जाते हैं। कभी बिना कारण खुशी, कभी बिना कारण उदासी। मन बादलों की तरह है। बादल आकाश में आते हैं, आकार लेते हैं, घिरते हैं, बरसते हैं और फिर छंट जाते हैं। लेकिन आकाश बना रहता है। समस्या तब शुरू होती है जब हम स्वयं को बादल मान लेते हैं और भूल जाते हैं कि हम आकाश भी हैं। सुख और दुख मन की अवस्थाएं हैं। वे आते हैं और चले जाते हैं। पर हमारे भीतर एक ऐसी जगह है जो नहीं बदलती। वही साक्षी है। वही वह शांत केंद्र है जहां से हम अपने विचारों, भावनाओं और प्रतिक्रियाओं को देख सकते हैं। जब कोई आपको अपमानित करता है, भीतर गुस्सा उठता है। जब कोई प्रशंसा करता है, भीतर प्रसन्नता उठती है। पर क्या आपने कभी यह देखा है कि इन दोनों को देखने वाला भी कोई है?

यदि आप केवल दो क्षण के लिए अपनी ही मनःस्थिति को देख लें, बिना उसमें डूबे हुए, तो एक अद्भुत स्वतंत्रता अनुभव होगी। जैसे आप नदी में नहीं, किनारे पर खड़े हों। नदी बहती रहेगी। लहरें उठेंगी। पर आप बहेंगे नहीं। यही साक्षी भाव है। इसका अर्थ यह नहीं कि जीवन से भाग जाना है। इसका अर्थ यह भी नहीं कि भावनाएं खत्म हो जाएंगी। भावनाएं आएंगी, क्योंकि वे मानव होने का स्वाभाविक हिस्सा हैं। अंतर केवल इतना होगा कि आप उनसे चिपकेंगे नहीं। आप जानेंगे कि यह भी बदलेगा। अभी जो भारी है, वह हल्का होगा। अभी जो सुखद है, वह भी बदल जाएगा।

जीवन का हर क्षण परिवर्तन की ओर बढ़ रहा है। यही उसका नियम है। इसी नियम को न समझने से पीड़ा जन्म लेती है। हम बदलती चीजों को पकड़कर स्थायी बनाना चाहते हैं। पर जीवन को पकड़ा नहीं जा सकता। उसे केवल जिया जा सकता है। जब आप साक्षी में टिकते हैं, तब एक अजीब शांति भीतर उतरती है। तब आप दुख में भी टूटते नहीं और सुख में भी बहकते नहीं। तब आप जीवन को उसके बदलते रंगों सहित स्वीकार करते हैं। जो आज है, वह कल नहीं रहेगा। पर जो देख रहा है, वह रहेगा। और वह आप ही तो हैं। और जब यह समझ भीतर उतर जाती है कि बदलना ही जीवन का स्वभाव है, तब शिकायतें कम होने लगती हैं। तब हम हर अनुभव को शिक्षक की तरह स्वीकारते हैं। तब हम पकड़ना छोड़ देते हैं और बहना सीख जाते हैं। और बहते हुए भी भीतर स्थिर रहना सीख जाते हैं।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

हिंदवी स्वराज्य की नींव रखने वाले छत्रपति आज भी क्यों उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने अपने वक्त में हुआ करते थे

1658 का साल जब औरंगजेब ने बादशाह बनने के लिए अपने पिता शाहजहां को आगरा के किले में कैद करवाया। अपने भाई मुराद को धोखे से मरवाया दूसरे भाई दारा शिको का सर कलम करके खुद को आलमगीर की उपाधि से नवाजा। । गद्दी पर बैठने के 5 साल के अंदर-अंदर उसने अपना साम्राज्य विस्तार कर लिया था और उसकी सीमाएं उत्तर में लद्दाख तक उत्तर पश्चिम में काबुल कंधार तक, पूर्व में बंगाल तक, पश्चिम में गुजरात, सिंध और राजपूताना तक फैल चुकी थी। लेकिन दक्षिण में कुछ ऐसा था जो उसके सारे मंसूबों पर पानी फेर रहा था।

(अभिनय आकाश)

जो शख्स इस मराठा सेना का नेतृत्व कर रहा था वो कोई और नहीं बल्कि मुगलों की जुबान में वो पहाड़ी चूहा था जिसकी छापेमार गोरिल्ला युद्ध नीति बड़ी से बड़ी फौज को भी परास्त कर सकती थी। और जिसकी वजह से औरंगजेब कभी दिल्ली में काबिज होकर भी चैन की नींद नहीं सो पाया था।

1658 का साल जब औरंगजेब ने बादशाह बनने के लिए अपने पिता शाहजहां को आगरा के किले में कैद करवाया। अपने भाई मुराद को धोखे से मरवाया दूसरे भाई दारा शिको का सर कलम करके खुद को आलमगीर की उपाधि से नवाजा। । गद्दी पर बैठने के 5 साल के अंदर-अंदर उसने अपना साम्राज्य विस्तार कर लिया था और उसकी सीमाएं उत्तर में लद्दाख तक उत्तर पश्चिम में काबुल कंधार तक, पूर्व में बंगाल तक, पश्चिम में गुजरात, सिंध और राजपूताना तक फैल चुकी थी। लेकिन दक्षिण में कुछ ऐसा था जो उसके सारे मंसूबों पर पानी फेर रहा था। जो शख्स इस मराठा सेना का नेतृत्व कर रहा था वो कोई और नहीं बल्कि मुगलों की जुबान में वो पहाड़ी चूहा था जिसकी छापेमार गोरिल्ला युद्ध नीति बड़ी से बड़ी फौज को भी परास्त कर सकती थी। और जिसकी वजह से औरंगजेब कभी दिल्ली में काबिज होकर भी चैन की नींद नहीं सो पाया था। मुगलिया सल्तनत के लिए वो एक पहाड़ी चूहा हो सकता है लेकिन वो असल में मराठों का शेर था। आज बात शिवाजी की करेंगे जिन्होंने ता उम्र मुगलों से लोहा लिया और वक्त के साथ खुद को छत्रपति शिवाजी महाराज के रूप में स्थापित किया। हिंदुत्व को एक ऐसे मुकाम पर पहुंचाया जहां से इस शब्द के नए मायने तलाशे गए और जो अपनी मौत के 400 साल बाद भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने वो अपने वक्त में हुआ करते थे।

बीजापुर की गद्दी और शिवाजी

साल 1645में औरंगजेब और दारा शिकोह के बीच दुश्मनी परवान चढ़ रही थी। औरंगजेब को दक्षिण की सबेदारी से बेदखल कर दिया गया। इसी साल शिवाजी ने बीजापुर की गद्दी पर अपनी पकड़ बनानी शुरू की। उनके पिता शाहजी भोंसले पूणा की जागीर संभालते थे, लेकिन बीजापुर की रिसायत के तले रहकर। शिवाजी को ये मंजूर नहीं था। लेकिन उनके सामने एक बड़ा सवाल था कि छोटी सी जागीर का वारिस बीजापुर रियासत का सामना कैसे करता। परिस्थिति ने उन्हें एक मौका दिया। मुगल दक्कन में अपना कद मजबूत करने की फिराक में था। बीजापुर उसे रोकने में था। आदिलशाही का सारा ध्यान औरंगजेब को रोकने में था। शिवाजी को मौका मिला और उन्होंने एक एक बीजापुर के किलों को हथियाना शुरू किया। सबसे पहला किला तोड़ना था। फिरंगोजी के पास चाकन के किले का जिम्मा था। उन्होंने शिवाजी के प्रति वफादारी की शपथ लेते हुए उनके मिलिट्री कमांडर बने। इसके बाद शिवाजी ने कोंडना का किला भी हथिया लिया। बीजापपुर तक इसकी खबर पहुंची तो उन्होंने शिवाजी के पिता शाहजी को बंदी बना लिया। ये दांव सफल रहा क्योंकि मजबूरन शिवाजी को अपनी कार्रवाई रोकनी पड़ी। 1649 में शाहजी की रिहाई हुई तो शिवाजी दोबारा अपने अभियान में लग गए। 1656 में मोहम्मद आदिरशाह की मौत होने पर बीजापुर का नया सुल्तान अली आदिल शाह को बनाया गया। जिसकी उम्र महज 18 साल की थी। 1659 तक शिवाजी और बीजापुर की सल्तनत के बीच तनातनी में कुछ कमी आई। तब आदिल शाह की मां ने शिवाजी पर नकेल कसने की सलाह दी।

धोखा देकर शिवाजी को मारने वाला था अफज़ल: अफजल खान बीजापुर के सबसे ताकतवर कमांडर में से एक थे। 7 फुट का विशालकाय अफजल खान अब तक एक भी जंग नहीं हारा था। भोंसले परिवार के साथ उसकी पुरानी अदावत थी। शिवाजी के बड़े भाई संबाजी की मौत में बड़ा रोल था। बीजापुर के बुलावे पर वो दक्कन से लौटकर वो शिवाजी से जंग लड़ने पहुंचा। उसके पास 20 हजार घुड़सवार, 15 हजार पैदल सैनिक, 100 तोपें और कई हाथी थे। शिवाजी का सामना अब तक इतनी बड़ी सेना से नहीं हुआ था। उन्हें इल्म था कि सीधी लड़ाई में हार की संभावना ज्यादा है। शिवाजी सेना सहित प्रतापगढ़ के किले में घुस गए। शिवाजी को उकसाने के लिए अफजल खान ने मंदिरों और आसपास के गांवों पर हमला किया। फिर अफजल खान ने संधि के लिए संदेशा भेजा। वादा किया कि संधि होने पर बीजापुर को उनके हिस्से का इलाका देने की बात भी कही। शिवाजी ने मुलाकात की पेशकश स्वीकार कर ली। प्रतापगढ़ किले के नीचे मिलने और फौज लेकर कोई नहीं आने की बात तय हुई। लेकिन अफजल ने गांव के आसपास अपनी सेना को तैनात कर दिया। शिवाजी ने भी अपनी सेना से तैयार रहने को कहा।

स्वराज्य और नौसेना का महत्व: विदेशी आक्रांताओं से आजादी की दृष्टि से फोर्स बनाने का काम शुरू किया गया। उन्होंने कोकण तट पर कब्ज़ा करना शुरू कर दिया और 4 मई के अपने नए विचार के साथ स्वाभाविक रूप से नौसेना के बारे में सोचा जब उनका विस्तारित साम्राज्य समुद्र की सीमा से लगी शक्ति के संपर्क में आया। नौसेना को प्रोत्साहन आर्थिक के बजाय राजनीतिक था। शुरुआत में कोकण तट अंग्रेजी, पुर्तगाली और डचों से प्रभावित था। इन विदेशी शत्रुओं को रोकने और उन्हें अपनी मातृभूमि से उखाड़ फेंकने के लिए नौसेना आवश्यक थी। मराठा नौसेना के गठन का यही प्रत्यक्ष कारण था।

शिवाजी की समाधि कहाँ स्थित है?: 1680 में शिवाजी महाराज की मृत्यु के बाद रायगढ़ के किले में उनका अंतिम संस्कार किया गया। बाद में वहां उनकी एक समाधि बनाई गई। हालांकि शिवाजी की मृत्यु के तुरंत बाद समाधि की उपस्थिति का विवरण देने वाला कोई समकालीन रिकॉर्ड नहीं है। लेकिन कहा जाता है कि एक दशक के अंतराल के बाद किले पर मुगलों का कब्जा हो गया और 1689 से 1733 तक उनके नियंत्रण में रहा। मराठों ने 1733 में किले पर पुनः कब्ज़ा कर लिया और यह 1818 तक उनके नियंत्रण में रहा, जब तक की ब्रिटिश सेना ने आक्रमण नहीं किया था। कहा जाता है कि किले पर कब्जे के दौरान अंग्रेजों ने लगातार गोलाबारी की, जिससे समाधि सहित अंदर की कई संरचनाओं को नुकसान पहुंचा।

ब्रिटिश रिकॉर्ड में क्या कहा गया? : ऐसे दावे किए जाने हैं कि पेशवा शासन के तहत समाधी पहले से ही अच्छी स्थिति में नहीं थी। बाद में ब्रिटिश शासन के तहत और अधिक खंडहर हो गई। लेखक जेम्स डगलस ने अपनी 1883 की पुस्तक ए बुक ऑफ बॉम्बे में किले की अपनी यात्रा का वर्णन करते हुए कहा कि अब किसी को भी शिवाजी की परवाह नहीं है। डगलस ने किले और समाधि की उपेक्षा के बारे में बाद के मराठा शासकों से भी सवाल किया।

जिला पंचायत सीईओ ने जीपीडीपी प्लान एवं जल संरक्षण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

महिला दिवस पर शॉक पिट/रिचार्ज पिट निर्माण महाअभियान चलाने के निर्देशमूक पत्रिका

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला पंचायत के सभाकक्ष में आज जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा ग्राम पंचायत विकास योजना (GPDP) की प्रगति की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले की सभी ग्राम पंचायतों में वर्ष 2026-27 हेतु तैयार किए जा रहे जीपीडीपी प्लान की ऑनलाइन एंट्री, भौतिक प्रगति, वित्तीय प्रगति तथा प्राथमिकता वाले कार्यों की स्थिति की गहन समीक्षा की गई। सीईओ ने निर्देशित किया कि सभी ग्राम पंचायतें शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप समय-सीमा में जीपीडीपी पोर्टल पर योजनाओं की शत-प्रतिशत प्रविष्टि सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि योजना निर्माण में ग्राम सभा की सहभागिता, महिला समूहों की सक्रिय भागीदारी तथा स्थानीय आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी जाए। विशेष रूप से जल संरक्षण, जल संवर्धन एवं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता सूची में शामिल करने के निर्देश दिए गए। बैठक में 8 मार्च 2026 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिले में ÷जल संरक्षण हेतु शॉक पिट/रिचार्ज पिट निर्माण महाअभियान÷ चलाने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। सीईओ ने बताया कि इस अभियान के माध्यम से प्रत्येक ग्राम पंचायत में अधिक से अधिक शॉक पिट/रिचार्ज पिट का निर्माण कराया जाएगा, जिससे वर्षा जल संचयन को बढ़ावा मिलेगा तथा भू-जल स्तर में सुधार होगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान महिला स्व-सहायता समूहों की सहभागिता से जन-जागरूकता अभियान के रूप में संचालित किया जाएगा। सभी ग्राम पंचायतों को निर्देशित किया गया कि अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु पूर्व तैयारी, स्थल चयन, तकनीकी स्वीकृति, सामग्री की उपलब्धता तथा श्रमिकों की व्यवस्था सुनिश्चित करें। साथ ही व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए मुनादी, दीवार लेखन, सोशल मीडिया, व्हाट्सएप ग्रुप, ग्राम सभा एवं महिला समूह बैठकों के माध्यम से जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सीईओ ने यह भी स्पष्ट किया कि मनरेगा एवं अन्य संबंधित योजनाओं के अभिसरण (कन्वर्गेन्स) के माध्यम से जल संरक्षण कार्यों को प्राथमिकता के साथ लिया जाए। तकनीकी सहायकों को गुणवत्ता नियंत्रण, माप पुस्तिका संधारण तथा समय पर पूर्णता प्रमाण पत्र जारी करने के निर्देश दिए गए। कार्यक्रम अधिकारियों एवं जनपद पंचायत सीईओ को नियमित मॉनिटरिंग एवं फील्ड निरीक्षण करने के लिए कहा गया। बैठक में ग्राम पंचायत सचिव, महिला स्व-सहायता समूह की प्रतिनिधि महिलाएं, तकनीकी सहायक, रोजगार सहायक, कार्यक्रम अधिकारी, सीईओ जनपद पंचायत सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए जिले में जल संरक्षण को जन-आंदोलन के रूप में विकसित करने की अपील की गई।

एसबीआई आरसेटी में मोबाइल रिपेयरिंग एवं इलेक्ट्रिशियन ट्रेड में निःशुल्क 30 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण, 28 फरवरी तक करें पंजीयन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

स्वरोजगार को बढ़ावा देने एवं युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से एसबीआई रूरल सेल्फ एम्प्लॉयमेंट ट्रेनिंग Institute (एसबीआई आरसेटी), बेमेतरा द्वारा मोबाइल रिपेयरिंग एवं इलेक्ट्रिशियन ट्रेड में 30-30 दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण पूर्णतः निःशुल्क एवं आवासीय होगा, जिसमें प्रशिक्षणार्थियों को भोजन एवं रहने की उत्तम सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। संस्थान द्वारा प्रदान किया जाने वाला प्रमाण पत्र भारत सरकार के मान्यता प्राप्त स्वरूप में होगा, जिसकी वैधता पूरे देश में रहेगी। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को स्वरोजगार स्थापना, लघु उद्यम संचालन तथा विभिन्न बैंकिंग योजनाओं के अंतर्गत व्यवसाय ऋण (बिजनेस लोन) प्राप्त करने हेतु मार्गदर्शन भी दिया जाएगा, जिससे प्रशिक्षित युवा स्वयं का रोजगार प्रारंभ कर सकें। प्रशिक्षण में प्रवेश हेतु पंजीयन की अंतिम तिथि 28 फरवरी 2026 निर्धारित की गई है। यह अवसर केवल बेमेतरा जिले के निवासियों के लिए उपलब्ध है तथा आवेदक की आयु 18 से 45 वर्ष के मध्य होना आवश्यक है। इच्छुक युवक-युवतियाँ समय रहते पंजीयन कर इस अवसर का लाभ उठाएं। प्रशिक्षण स्थल इसबीआई आरसेटी बेमेतरा , ग्राम चोरभट्ठी, सिमगा रोड, जिला बेमेतरा (छत्तीसगढ़) में स्थित है। अधिक जानकारी एवं पंजीयन हेतु श्री प्रतीक साहेब गुप्ता (मो. 9340281974) एवं श्री संतोष कुमार (मो. 6266959884) से संपर्क किया जा सकता है। संस्थान ने जिले के युवाओं से अपील की है कि वे इस निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेकर स्वरोजगार की दिशा में एक सशक्त कदम बढ़ाएं और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

एक साल बेमिसाल: 20 करोड़ से अधिक की विकास स्वीकृतियों के साथ नगर पालिका की पीआईसी बैठक में बनी रणनीति

बेमेतरा/मूक पत्रिका

नगर के समग्र विकास को नई गति देने के उद्देश्य से नगर पालिका की पीआईसी (प्रेसिडेंट-इन-काउंसिल) की अहम बैठक नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में ÷एक साल बेमिसाल÷ की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया गया कि बीते एक वर्ष में राज्य सरकार से 20 करोड़ रुपये से अधिक की विकास योजनाओं को स्वीकृति मिली है, जिनसे नगर के आधारभूत ढांचे को मजबूती मिलेगी। बैठक में परिषद सदस्यों और अधिकारियों ने विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए आगामी कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की। अध्यक्ष ने कहा कि परिषद की प्राथमिकता नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना और अधूरे कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण कराना है। बैठक में सभी सदस्यों ने एक स्वर में विकास कार्यों को पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से पूरा करने का संकल्प दोहराया, जिससे ÷एक साल बेमिसाल÷ की उपलब्धियों को आने वाले समय में और अधिक मजबूती मिल सके।

20 करोड़ से अधिक की विकास योजनाओं को मिली मंजूरी

बैठक में बताया गया कि जिन प्रमुख कार्यों को स्वीकृति प्राप्त हुई है, उनमें नालदा परिसर निर्माण, नाला निर्माण कार्य, पेयजल व्यवस्था सुदृढ़ीकरण, सड़क एवं नाली निर्माण, शेड निर्माण, तालाब सौंदर्यीकरण सहित अन्य मूलभूत अधोसंरचनात्मक कार्य शामिल हैं। इन योजनाओं के क्रियान्वयन से शहर की आधारभूत सुविधाओं में व्यापक सुधार की उम्मीद जताई गई।

पेयजल और जल निकासी पर विशेष जोर

बैठक के दौरान शहर में स्वच्छ एवं नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए नई पाइपलाइन बिछाने, पुराने जलस्रोतों के रखरखाव तथा वितरण व्यवस्था को मजबूत करने पर सहमति बनी। साथ ही वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए नाला एवं नाली निर्माण कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने का निर्णय लिया गया, ताकि जलभराव की समस्या से नागरिकों को राहत मिल सके।

सड़क, स्वच्छता और रोशनी पर फोकस

अधूरे सड़क निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने और नई सड़कों के प्रस्ताव को गति देने पर चर्चा हुई। शहर की स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए नियमित सफाई अभियान, कचरा संग्रहण एवं वैज्ञानिक निस्तारण की बेहतर व्यवस्था पर भी सहमति बनी। इसके अतिरिक्त प्रमुख मार्गों एवं वार्डों में स्ट्रीट लाइट सुधार और नई लाइटें लगाने का प्रस्ताव पारित किया गया, जिससे नागरिकों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित हो सके।

परिषद की प्राथमिकता: समयबद्ध विकास: विजय

अध्यक्ष विजय सिन्हा ने कहा कि ÷नगर के सर्वांगीण विकास और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना परिषद की सर्वोच्च प्राथमिकता है। राज्य सरकार के सहयोग से स्वीकृत योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की गई है। बैठक में नगर पालिका उपाध्यक्ष अशोक शर्मा, सभापति गौरव साहू, पंचू साहू, विकास तंबोली, नीतू कोठारी, आकिब मलकानी, राजकुमार खांडे तथा नगर पालिका मुख्य अधिकारी नरेश वर्मा सहित अन्य पार्षद एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

शिक्षक, और पुलिस परिवार का पावन मिलन – मानिकपुर से उर्दूना तक गूंजेगी शहनाई

बरमकेला/मूक पत्रिका

खुशियों की सौगात लेकर आई एक शुभ खबर ने पूरे क्षेत्र में उत्साह की लहर दौड़ा दी है। मानिकपुर निवासी आदरणीय रामकृष्ण चौहान गुरुजी की सुपुत्री प्रियंका चौहान एवं पत्रकार देवराज दीपक की भांजी का विवाह उर्दूना निवासी महेश चौहान के सुपुत्र विक्रम राज चौहान के साथ हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार तय हुआ है।यह विवाह केवल दो युवाओं का मिलन नहीं, बल्कि एक शिक्षक परिवार, एक पुलिस परिवार और एक पत्रकार परिवार के स्नेहपूर्ण संबंधों का शुभ संगम है।

दोनों परिवारों में इस शुभ अवसर को लेकर हर्ष और उल्लास का वातावरण है। घर-आंगन में बधाइयों का तांता लगा हुआ है और शुभकामनाओं की गूंज सुनाई दे रही है।हिंदू परंपराओं के अनुरूप संपन्न होने वाला यह वैवाहिक समारोह सामाजिक समरसता, संस्कार और पारिवारिक मूल्यों की एक सुंदर मिसाल प्रस्तुत करेगा। परिजन और शुभचिंतक इस पावन अवसर को यादगार बनाने की तैयारियों में जुट गए हैं।इस पवित्र बंधन के लिए क्षेत्रवासियों की ओर से नवदंपत्ति को ढेरों शुभकामनाएं और उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं प्रेषित की जा रही हैं। शुभ विवाहज शुभ मिलनज शुभ भविष्य!

नगर निगम में फरियाद अनसुनी हुई तो अब कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंप सड़क, बिजली की मांग की वार्ड न. 42 के वार्डवासी

रायगढ़/मूक पत्रिका

कहने को तो शहर में विकास की गंगा बह रही है।परन्तु कई वार्ड अब भी ऐसे मौजूद है।जहां बिजली ,सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए निगम से निराश वार्डवासियों को कलेक्टर दरबार के चक्कर लगाने पड़ रहे है। ऐसा ही एक मामला शहर के वार्ड क्रमांक 42 में देखने को मिला।जहां के रहवासी द्वारा इन मूलभूत सुविधाओं के लिए महापौर से फरियाद तो की गई।परन्तु कोई सार्थक परिणाम न मिलने पर इंदिरा आवास के रहवासियों द्वारा सड़क और बिजली की मांग को लेकर कलेक्टर जनदर्शन में गुहार लगाई गई है।

असामाजिक तत्वों से परेशानी- गौरतलब हो कि वार्ड क्रमांक 42 के रहवासियों द्वारा कलेक्टर जनदर्शन में सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया है कि वे बीते कई वर्षों से शासन द्वारा निर्मित इंदिरा आवास में निवासरत है जहां की दर्जनों महिलाएं अपनी रोजी रोटी चलाने कामकाज करने बाहर जाती है।जिनके लौटने में देर शाम होती है।वही इस वार्ड में जीवन कोशले से लेकर जगत लहरें घर करीबन एक किलोमीटर तक न तो बिजली पोल की सुविधा उपबंध कराई है।और न ही इसकी व्यवस्था करने कभी कोई सार्थक पहल की गई। आवेदनकर्ताओं ने बताया कि इस मार्ग में पड़ने वाले मैदान में देर शाम सामाजिकजिक तत्वों का डेरा लगना शुरू हो जाता है।जो न केवल वहां खुलेआम शराबखोरी करते है बल्कि असामाजिक गतिविधियों को भी अंजाम देते है।जिसकी वजह से आवास में रहने वाली महिलाओं को आवाजाही करने में अंधेरे के साथ इनकी छीटाकशी का सामना भी करना पड़ता है।

सड़क निर्माण के सालभर में उखड़ी-बताया जा रहा है कि तात्कालीन कांग्रेस शहर सरकार में पूर्व पार्षद द्वारा इस मार्ग का निर्माण कराया गया था।परन्तु निर्माण के महज सालभर बाद ही सड़क अपनी गुणवत्ताविहीन निर्माण की कहानी खुद बया कर रहा है। यही कारण है कि एक बार फिर वार्डवासियों को सड़क निर्माण के लिए कलेक्टर जनदर्शन में गुहार लगानी पड़ रही है।हालांकि जब इंदिरा आवास के रहवासी निगम में टैक्स पटा रहे तो फिर इनकी मूलभूत सुविधाओं की जिम्मेदारी किसकी होगी। क्या निगम प्रशासन यहां पूर्व के घटिया सड़क निर्माण पर कार्यवाही करेगा।जिसकी वजह से सालभर पहले निर्मित सड़क ही उधड़ गई।और जब निगम में फरियाद अनसुनी हुई तो अब कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंप सड़क,बिजली की मांग रखी है।

दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना से महिला श्रमिकों को आत्मनिर्भरता की नई राह

छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल की पहल, जिले में 87 श्रमिक लाभान्वित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा संचालित दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना महिला निर्माण श्रमिकों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है। योजना का मुख्य उद्देश्य पंजीकृत महिला श्रमिकों को स्वरोजगार के अवसर प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना तथा उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में स्थायी सुधार लाना है। जिले में अब तक 87 महिला श्रमिकों को इस योजना के तहत लाभान्वित किया जा चुका है, जिससे वे स्वयं ई-रिक्शा का संचालन कर सम्मानजनक आजीविका अर्जित कर रही हैं।योजना अंतर्गत 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग की वे महिला निर्माण श्रमिक पात्र हैं, जो मंडल में न्यूनतम तीन वर्षों से पंजीकृत हों। पात्र महिला हितग्राही को ई-रिक्शा का संचालन स्वयं करना अनिवार्य है, जिससे वास्तविक स्वरोजगार को बढ़ावा मिल सके। यह योजना महिलाओं को न केवल आर्थिक रूप से सशक्त बनाती है, बल्कि समाज में उनकी सहभागिता और आत्मविश्वास को भी बढ़ाती है। योजना के तहत ई-रिक्शा के क्रय मूल्य का 60 प्रतिशत या अधिकतम ?1,50,000 (एक लाख पचास हजार रुपये) ङ्क जो भी कम हो ङ्क अनुदान स्वरूप प्रदान किया जाता है। यह राशि सीधे हितग्राही के बैंक खाते में हस्तांतरित की जाती है, जिससे पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित होती है। शेष राशि बैंक ऋण के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है, जिसके लिए संबंधित बैंक से स्वीकृति आवश्यक है।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया एवं आवश्यक दस्तावेज-हितग्राही योजना के लिए ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के समय निम्नलिखित दस्तावेजों की मूल स्कैन प्रति प्रस्तुत करना अनिवार्य है जिसमे श्रमिक पंजीयन कार्ड, बैंक से ऋण स्वीकृति संबंधी दस्तावेज, बैंक पासबुक की मूल स्कैन प्रति, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, शासन द्वारा निर्धारित प्रारूप में नियोजक संबंधी स्व-घोषणा प्रमाण पत्र, वाहन की आरसी बुक (पंजीयन प्रमाण पत्र) शामिल हैं 7 योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से जिले की अनेक महिलाओं ने स्वरोजगार अपनाकर अपने परिवार की आय में वृद्धि की है। कई महिला हितग्राहियों ने बताया कि ई-रिक्शा संचालन से उन्हें नियमित आय का स्रोत मिला है, जिससे वे अपने बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य एवं घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति बेहतर ढंग से कर पा रही हैं। प्रशासन द्वारा पात्र श्रमिकों से अपील की गई है कि वे योजना का अधिकतम लाभ उठाएं तथा समय पर आवेदन कर स्वावलंबन की दिशा में कदम बढ़ाएं। यह योजना महिला सशक्तिकरण, हरित परिवहन को बढ़ावा तथा शहरी-ग्रामीण परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है।

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने जनदर्शन में सुनी आमजन की समस्याएं, 59 आवेदन प्राप्त

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले के नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बीते सोमवार को कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के द्वारा कलेक्टरेट स्थित दृष्टि सभा कक्ष में जनदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनदर्शन में जिले के विभिन्न अंचलों से आए नागरिकों ने अपनी मांगों, समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। जनदर्शन के दौरान कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने प्रत्येक आवेदक की समस्या को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को मौके पर बुलाकर एवं दूरभाष के माध्यम से चर्चा कर कई प्रकरणों का तत्काल निराकरण कराया। प्रशासन की तत्परता के चलते कई नागरिकों की समस्याओं का समाधान मौके पर ही कर दिया गया, जिससे आवेदकों में संतोष एवं विश्वास का माहौल देखने को मिला। आज आयोजित जनदर्शन में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 59 आवेदन प्राप्त हुए। तात्कालिक महत्व के मामलों में शीघ्र कार्रवाई करते हुए समाधान किया गया, जबकि गंभीर एवं जांच योग्य प्रकरणों को टीएल पंजी में दर्ज कर संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनदर्शन में निराश्रित पेंशन, वृद्धा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, बैटरी चालित ट्रायसायकल प्रदाय, कटा हुआ रकबा जोड़ने, खाद गड्ढा हटाने, आम रास्ता खुलवाने सहित अन्य जनहित से जुड़े विषयों पर आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर सुश्री ममगाई ने सभी आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों को नियमानुसार शीघ्र एवं प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों का संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ निराकरण किया जाए, ताकि आम नागरिकों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने नागरिकों को भरोसा दिलाया कि जिला प्रशासन उनकी समस्याओं के समाधान के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर प्रकाश कुमार भारद्वाज सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

रामकथा में आज तीसरे दिन पूज्य महराज रविनंदन महराज (हरिद्वार)ने शिव बारात का कथन किया

राम कथा का आयोजन सुंदरकांड सेवा समिति के द्वारा किया जा रहा हैं

कथा स्थल :- गजमोहनी परिसर, मंगला बिलासपुर में शाम 3 बजे से 7 बजे तक रखा गया हैं

कल चौथे दिन सोमवार को भगवान राम जन्मउत्स्व पर कथा होंगी

बिलासपुर /मूक पत्रिका

आज राम कथा का तीसरा दिन था जिसमे भगवान शिव विवाह का परम्पू पूज्य गुरुदेव श्री रवि नंदन महराज के द्वारा गवान शिव और माता पार्वती का विवाह पर कथा की गई हिंदू धर्म की सबसे सुंदर और प्रेरणादायक कथाओं में से एक है। यह कथा प्रेम, तपस्या और समर्पण का प्रतीक है। यहाँ इस दिव्य विवाह पर महराज रवि नंदन महराज ने कथा में बताया की माता पार्वती की कठिन तपस्या का जिक्र करते हुये कहा -?सती के आत्मदाह के बाद, उन्होंने पर्वतराज हिमालय के घर पार्वती के रूप में जन्म लिया। बचपन से ही उनका मन शिव में रमा था। उन्हें पाने के लिए पार्वती ने अन्न-जल त्याग कर हजारों वर्षों तक घोर तपस्या की। उनकी भक्ति इतनी शक्तिपूर्ण थी कि देवलोक तक उनके तप की गूँज पहुँच गई।तत्पश्चात महाराज जी ने भगवान शिव के द्वारा पार्वती माता की परीक्षा का कथन बताया कि कैसे शिव ने पार्वती की परीक्षा लेने के लिए सप्तऋषियों को भेजा और स्वयं भी एक ब्राह्मण का रूप धरकर उनके पास गए। उन्होंने शिव की बुराई की और पार्वती से कहा कि वे एक ÷भस्मधारी अघोरी÷ से विवाह क्यों करना चाहती हैं? लेकिन पार्वती अपने निश्चय पर अडिग रहीं। उनकी निष्ठा देखकर शिव अत्यंत प्रसन्न हुए और उन्हें पत्नी के रूप में स्वीकार किया।पूज्य महराज श्री रवि नंदन महराज जी ने आगे कथा को बढ़ाते हुये भगवान शिव की बारात का अनोखा और आनंद मय कथा सुनाई और भगवान शिव की बारात के ?विवाह का दिन आया। शिवजी की बारात किसी सामान्य राजकुमार की बारात नहीं थी। उसमें देवता, गंधर्व, यक्षों के साथ-साथ भूत-प्रेत, पिशाच, डाकनी-शाकिनी और नंदी भी शामिल थे। शिव स्वयं नंदी पर सवार थे, शरीर पर भस्म लगी थी और गले में सर्पों का हार था। श्री रवि नंदन महराज जी के द्वारा माता पार्वती जी की माता का भी कथा में सुनाया की वो प्रभु शिव को देखकर कैसे मूर्छत हुई ?मैना देवी का मूर्छित होनाः जब पार्वती की माता मैना ने शिव के इस भयानक रूप को देखा, तो वे डरकर मूर्छित हो गई और अपनी पुत्री का हाथ देने से मना कर दिया। ?चंद्रशेखर स्वरूपः माता पार्वती की प्रार्थना पर शिव ने एक अत्यंत सुंदर और मनमोहक रूप धारण किया। उनके मस्तक पर चंद्रमा और दिव्य वस्त्राभूषण देख हर कोई मंत्रमुग्ध हो गया।कथा के अंतिम में महराज ने शिव विवाह कथा सम्पन्न का जिक्र किया हिमालय नगरी (हिमावत) में वेदों के मंत्रोच्चार के बीच भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह संपन्न हुआ। यह मिलन प्रकृति (पार्वती) और पुरुष (शिव) का मिलन था, जिसने संसार में संतुलन स्थापित किया। इसी दिन को हम हर वर्ष महाशिवरात्रि के रूप में मनाते हैं।

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने स्कूल के निर्माण में लापरवाही करने वाले ठेकेदारों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए

स्कूल भवन निर्माण के गुणवत्ता में कोई समझौता नहीं करने कलेक्टर के निर्देश

कलेक्टर ने पीएमश्री स्कूलों के सभी कार्यों का किया विस्तृत समीक्षा

सारंगढ़ बिलाईगढ़ /मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले के पीएमश्री स्कूलों के प्राचार्यो एवं प्रधान पाठकों की महत्वपूर्ण बैठक लेकर शैक्षणिक गुणवत्ता, प्रशासनिक व्यवस्थाओं और बोर्ड परीक्षा परिणामों का गहन समीक्षा किया। उन्होंने कार्यालय के सभी रिकार्ड, लेखा-जोखा को संधारित रखने के निर्देश दिए। बैठक में शिक्षा विभाग के पीएमश्री स्कूल के नोडल अधिकारी नरेश चौहान उपस्थित थे। कलेक्टर ने कहा कि पीएमश्री स्कूल जिले के मॉडल स्कूल हैं, इसलिए इनका संचालन उत्कृष्ट स्तर पर सुनिश्चित किया जाए। प्रत्येक विकासखंड में एक पीएमश्री स्कूल संचालित है और इन विद्यालयों को आदर्श बनाकर अन्य स्कूलों को भी प्रेरित किया जाना चाहिए। उन्होंने बैठक में कहा कि, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर अनुशासन, नवाचारपूर्ण गतिविधियों तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष जोर दिया।जिलाधीश डॉ कन्नौजे ने बैठक में दो टूक कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि किसी शिक्षक द्वारा पढ़ाई में लापरवाही बरती जाती है तो संबंधित शिक्षक एवं विषय शिक्षक पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सभी स्कूलों में बोर्ड परीक्षा में 100 प्रतिशत परिणाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर कन्नौजे ने स्कूल के निर्माण में लापरवाही करने वाले ठेकेदारों पर सख्त कार्रवाई करने और स्कूल भवन निर्माण के गुणवत्ता में कोई समझौता नहीं करने के निर्देश दिए। आगामी दिनों में दिल्ली से ज्वाइंट सेक्रेटरी द्वारा जिले के पीएमश्री स्कूलों का निरीक्षण किया जाएगा, जिसके सम्बन्ध में कलेक्टर डॉ संजय ने सभी स्कूलों की वर्तमान स्थिति, लक्ष्य आदि की जानकारी लेकर आवश्यक कार्यो को समय में पूर्ण करने के निर्देश दिए, वहीं स्कूलों में विद्यार्थियों की 100 प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

नम्बी में CRPF का सिविक एक्शन कैंपः ग्रामीणों को बांटी सामग्री, लगाया फ्री मेडिकल शिविर

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले के नम्बी इलाके में सोमवार को सेंट्रल रिज़र्व पुलिस फ़ोर्स की 196वीं बटालियन ने सिविक एक्शन कार्यक्रम और निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया। कार्यक्रम वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में हुआ और कमांडेंट कुमार मनीष की मौजूदगी रही। कैंप में आसपास के गांवों से पहुंचे ग्रामीणों को खेती से जुड़े उपकरण, कपड़े, खेल सामग्री और बच्चों के लिए कॉपी-किताब जैसी जरूरी चीजें दी गई। कई ग्रामीणों ने कहा कि ऐसे दूरस्थ इलाके में इस तरह की मदद मिलना उनके लिए राहत की बात है।मेडिकल शिविर में 170वीं वाहिनी के वरिष्ठ चिकित्साधिकारी डॉ. चन्द्र शेखरन नायर कन्नन और उनकी टीम ने लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। मलेरिया की जांच की गई और जरूरत के अनुसार दवाइयां भी बांटी गई। महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे बड़ी संख्या में जांच कराने पहुंचे।कार्यक्रम के दौरान कमांडेंट ने ग्रामीणों से सीधे बात की और उनकी समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने सुरक्षा बलों के इस प्रयास की सराहना की। अधिकारियों का कहना है कि इस तरह के कार्यक्रम आगे भी किए जाएंगे, ताकि गांवों के लोगों से जुड़ाव बना रहे और भरोसा मजबूत हो।

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने ईऑफिस में कार्य करने पर दिया जोर

दलहनी तिलहनी फसलों का गिरदावरी कर पंजीयन करने के निर्देश

सभी सीएमओ को शहरों के सफाई, पेयजल और लाईट दुरूस्ती के निर्देश

गर्मी में पेयजल संकट वाले क्षेत्रों को चिन्हाकित कर पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश

आधार बेस हाजिरी के साथ कार्यलय में उपस्थित होकर कार्य करने के निर्देश

सारंगढ़ बिलाईगढ़ /मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने जिले में प्रगतिरत कार्यो और मांग तथा शिकायत के समाधान के लिए कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिले के प्रभारी अधिकारियों की उपस्थिति में समय सीमा का समीक्षा बैठक लिया। जनशिकायत पोर्टल, मुख्यमंत्री जनदर्शन, कलेक्टर जनदर्शन से प्राप्त आवेदनों के निराकरण की स्थिति अधिकारियों से पूछकर कलेक्टर ने शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ. कन्नौजे ने नगरपालिका परिषद सारंगढ़ सहित जिले के नगर पंचायतों सरसींवा, भटगांव, बिलाईगढ़, बरमकेला और सरिया में अवैध कब्जा को हटाते हुए गली मोहल्ले में साफ सफाई, घर-घर कचरा संग्रहण, प्रकाश व्यवस्था को सुधार करते हुए प्रतिदिन सुबह कार्य निरीक्षण करने के निर्देश दिए।बैठक में कलेक्टर कन्नौजे ने जिले के गर्मी में सूखाग्रस्त पेयजल संकट वाले क्षेत्रों को चिन्हाकित कर वहां पानी का पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार सभी विभाग के सरकारी पत्राचार और नोटशीट को ऑफलाइन के स्थान पर ईऑफिस में प्राथमिकता से कार्य करने के निर्देश दिए, वहीं सभी अधिकारियों कर्मचारियों को कहा कि, आधार बेस हाजिरी के साथ कार्यालय में उपस्थित होकर कार्य करे।डॉ कन्नौजे ने पीएम आशा योजना का किसानों को लाभ देने के लिए दलहनी तिलहनी फसलों का गिरदावरी कर पंजीयन करने के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में पीएम आवास के कार्यो को गुणवत्ता के साथ करने के निर्देश दिए, वहीं आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्यो को गुणवत्ता के साथ 30 मई तक पूर्ण करने तथा निर्मित भवन को हैंडओवर करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने आयुष्मान कार्ड, आयुष्मान वय वंदना, निर्माणाधीन जिला अस्पताल व संयुक्त जिला कार्यालय, स्कूलों में जाति प्रमाण पत्र, पीएमश्री स्कूल निर्माण, अपार आईडी, सरस्वती सायकल वितरण, आदिवासी विकास विभाग अंतर्गत आश्रम छात्रावास के बालक बालिकाओं के हेल्थ चेकअप, एनीमिया जांच, विभिन्न विकास प्राधिकरणों के प्रगतिरत कार्यो, आंगनबाड़ी केन्द्र निर्माण, पीएम स्वनिधि, पीएम आशा योजना, पीएम किसान सम्मान निधि, राजस्व कार्य नक्शा बंटाकन, फौती नामांतरण, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आदि के कार्यो का समीक्षा कर कलेक्टर ने अधिकारियों को फील्ड में जाकर कार्य करने के निर्देश दिए।

नो-एंट्री के बावजूद ट्रक कैसे पार हो रहे?

हिंडालको के बॉक्साइट ट्रकों से सामरी-कुसमी घाटी में फिर हादसा! नो-एंट्री के बावजूद आवाजाही, डिवाइडर की मांग तेज

बलरामपुर /मूक पत्रिका

सद्दाम खान/ कुसमी- (सामरी-कुसमी घाटी, जामटोली)। दिनांक 23/02/2026 को लगभग शाम 5ङ्क6 बजे सामरी-कुसमी घाटी के जामटोली मोड़ पर एक बार फिर बड़ा सड़क हादसा सामने आया है। मोड़ पर डिवाइडर नहीं होने के कारण पत्थर (बॉक्साइट) से लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। ट्रक में लोड पत्थर सड़क पर बिखर गए, जिससे यातायात पूरी तरह बाधित हो गया और कुछ देर तक लंबा जाम लगा रहा। हादसे के बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस प्रशासन को सूचना दी। रास्ते से गुजर रहे लोगों ने भी बिखरे पत्थरों को हटाने में मदद की, तब जाकर धीरे-धीरे आवागमन बहाल हो सका। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में किसी बड़ी जनहानि की सूचना नहीं है, लेकिन लगातार हो रही दुर्घटनाओं से क्षेत्र में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

डिवाइडर नहीं, इसलिए बढ़ रहे हादसे- स्थानीय लोगों का कहना है, कि घाटी के खतरनाक मोड़ों पर डिवाइडर और सुरक्षा दीवार (गार्ड वाल) नहीं होने से आए दिन बॉक्साइट से लदे भारी वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। कई बार जिम्मेदार विभाग व प्रशासन को अवगत कराने के बावजूद अब तक ठोस कदम नहीं उठाया गया है। ग्रामीणों ने मांग की है कि घाटी क्षेत्र में जल्द से जल्द डिवाइडर और सुरक्षा दीवार बनाई जाए, ताकि दुर्घटनाओं पर अंकुश लग सके।नो-एंट्री के बावजूद ट्रक कैसे पार हो रहे?क्षेत्रवासियों का आरोप है, कि हिंडालको और प्रशासन और नगरवासियों की सहमति से केरापाठ क्षेत्र में नो-एंट्री लागू की जाती है। इसके बावजूद बॉक्साइट से लदे ट्रक घाटी से कैसे गुजर रहे हैं?लोग सवाल उठा रहे हैं कि जब नो-एंट्री लागू है, तो इन भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक क्यों नहीं लग रही?

क्या संबंधित अधिकारी आंख मूंदे बैठे हैं? जिम्मेदारी तय हो-लगातार हो रहे हादसों के बाद अब यह बड़ा सवाल खड़ा हो गया है कि आखिर इन दुर्घटनाओं की जिम्मेदारी किसकी है? स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करने और सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित करने की मांग की है। अगर समय रहते पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए, तो घाटी क्षेत्र में कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

आईआईएफएल फाईनेंस 2,000 करोड़ रुपये के बॉन्ड जारी किए

रायपुर। देश की प्रमुख नॉन-बैंकिंग फाईनेंशियल कंपनियों (एनबीएफसी) में सेएक, आईआईएफएल फाईनेंस लिमिटेड ने रिडीमेबल नॉन-कन्वर्टिबलडिबेंचर (एनसीडी) के पब्लिक इश्यू जारी किए हैं, जो मंगलवार, 17 फरवरी, 2026 से मिलना शुरू होंगे। इनका इश्यू साईज़ 500 करोड़ रुपये है, और 1,500 करोड़ रुपये तक का ओवरसब्सक्रिप्शन बनाए रखने केलिए ग्रीन-शू विकल्प है। इस प्रकार कुल इश्यू साईज़ 2,000 करोड़ रुपयेका होगा। इस फंड का उद्देश्य कंपनी के व्यवसाय में वृद्धि करना और पूंजीबढ़ाना है। इस एनसीडी द्वारा 9 प्रतिशत प्रतिवर्ष तक का प्रभावी रिटर्न मिलेगा औरयह 24 महीनों, 36 महीनों, और 60 महीनों की अवधियों के लिए उपलब्धहोगा। ब्याज का पे-आउट मासिक, वार्षिक या मैच्योरिटी के बाद लिया जा सकता है। इस इश्यू को क्राईसिल रेटिंग्स ने क्राईसिल एए/स्टेबल रेटिंग दी है।ब्रिकवर्क रेटिंग्स द्वारा इसे बीडब्लूआर एए+ (स्टेबल) रेटिंग दी गई है, जिससे प्रदर्शित होता है कि इनमें बहुत कम क्रेडिट रिस्क है और येफाईनेंशियल दायित्वों को समय पर पूरा करने के लिए बहुत ज्यादासुरक्षित हैं।

न्यायालय तहसीलदार, तहसील नवागढ़, जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

//उद्घोषणा//

रा0प्र0 क 0/202601230800017 /

अ-27/ वर्ष 2025-26

एतद द्वारा सर्व साधारण आम जनता एवं ग्रामवासी ग्राम समेसर प0ह0नं0 15 रा0नि0म0 अंधियारखोर तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा छ0ग0 को सूचित किया जाता है, कि, आवेदक राजेन्द्र सिंह पिता बलवान सिंह जाति जाट निवासी दीवाना 33 पानीपत, हरियाणा। हाल-मुकाम ग्राम समेसर थाना व तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा छ0ग0 के द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, कि ग्राम समेसर प0ह0नं0 15 रा0नि0मं0 अंधियारखोर तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा में राजेन्द्रसिंह पिता बलवान सिंह के नाम पर भूमिस्वामी हक की कृषि भूमि ख0नं0 51/9, 51/10, 51/11, 52/1, 52/3, 52/4, 52/5, 52/6, 53, 54/1 रकबा कमशः 0.66, 0.80, 1.40, 0.56, 0.20, 0.05, 0.25, 0.20, 0.38, 0.51 हे0 कुल - ख0नं0 10 कुल रकबा 5.01 हे0 भूमि राजस्व अभिलेखो मे दर्ज है। आवेदक के द्वारा स्वयं के नाम पर दर्ज भूमि को जीवन काल में अपने वारिसानो के मध्य खाता विभाजन किये जाने हेत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध मे जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को किसी भी प्रकार का दावा/आपत्ति हो तो नियत पेशी दिनांक 25/02/2026 तक स्वयं अथवा विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में दावा/आपत्ति पत्र पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 12/02/2026 को यह उद्घोषणा मेरे स्वंय के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार नवागढ़
जिला-बेमेतरा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) नवागढ़ जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

ईश्तहार

202602230500018

रा.प्र.क./अ-2

वर्ष 2025-26

आवेदिका श्रीमती पूनम बरनवाल, पति कन्हैया बरनवाल, निवासी ग्राम नवागढ़ तहसील नवागढ़, जिला बेमेतरा (छ.ग.) ने ग्राम छितापार, प.ह.नं. 15, तहसील नवागढ, जिला बेमेतरा स्थित अपने भूमिस्वामी हक की भूमि ख.नं. 108/3 का रकबा 0.03 हेक्टेयर/2924 वर्गफीट को आवासीय प्रयोजनार्थ हेतु पुनःनिर्धारण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति पेश करना हो तो अपनी आपत्ति दिनांक 25/02/2026 तक तक / पूर्व न्यायालय में पेश कर सकते है। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा।

आज दिनांक 16/02/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
नवागढ़, जिला-बेमेतरा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) नवागढ़ जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

ईश्तहार

202602230500017

रा.प्र.क./अ-2

वर्ष 2025-26

आवेदक अश्वनी कुमार साहू, पिता शत्रुहन साहू, साकिन वार्ड नं. 05 मैनपुरा, तहसील पंडरिया, जिला कबीरधाम (छ.ग.) ने ग्राम नवागढ़, प.ह.नं. 13, तहसील नवागढ, जिला बेमेतरा स्थित अपने भूमिस्वामी हक की भूमि. ख.नं. 910/19 का रकबा 0.01 हेक्टेयर / 1400 वर्गफीट को आवासीय प्रयोजनार्थ हेतु पुनःनिर्धारण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति पेश करना हो तो अपनी आपत्ति दिनांक 25/02/2026 तक तक / पूर्व न्यायालय में पेश कर सकते है। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा।

आज दिनांक 16/02/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
नवागढ़, जिला-बेमेतरा

न्यायालय नायब तहसीलदार बेमेतरा, तहसील व जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

ईश्तहार

क्र./201/ प्र./ना. तह. /2026

रा.प्र.क्र... व-121 वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की आवेदक गुहादास बंजारे पिता स्व. अंजोरदास बंजारे उम्र लगभग 60 वर्ष निवासी ग्राम ढारा, तहसील व जिला बेमेतरा छ.ग. के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है कि आवेदक के मां सोनबती बंजारे पति स्व. अंजोरदास बंजारे का मृत्यु ग्राम ढारा, तहसील व जिला बेमेतरा छ.ग. में दिनांक 15.09.1969 को ग्राम ढारा में होना और भूलवश जन्म का पंजीयन नही करा पाना बताया गया है। अतः अपने माता सोनवती बंजारे पति स्व. अंजोरदास बंजारे का मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी को दावा आपत्ति हो तो वह नियत पेशी दिनांक 27/2/2026 तक इस न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपने दावा आपत्ति दर्ज करा सकते है।

उक्त तिथी के पश्चात प्राप्त आवेदन पर विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 10/2/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मोहर सहित ईश्तहार जारी।

मुहर

नायब तहसीलदार
बेमेतरा (छ.ग.)

टीम इंडिया बनी चैंपियन, फाइनल में बांग्लादेश को 46 रनों से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। राधा यादव की कप्तानी वाली भारतीय ए टीम ने फाइनल में बांग्लादेश को 46 रनों से हराकर महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया है। इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 135 रनों का लक्ष्य रखा था. जवाब में बांग्लादेश की टीम 19.1 ओवर में सिर्फ 88 रन ही ढेर हो गई. इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 134 रन का स्कोर बनाया. भारत के लिए तेजल हसब्निस की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली और टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई. तेजल ने सिर्फ 33 गेंदों में नाबाद 51 रन बनाए, जिसमें उन्होंने 2 चौके और 2 छक्के जड़े. उन्होंने कप्तान राधा यादव के साथ मिलकर 5वें विकेट के लिए 49 गेंदों पर 69 रनों की साझेदारी की. राधा ने 30 गेंदों पर 36 रन बनाए.

भारत ने पहले सेमीफाइनल में श्रीलंका को 5 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई है, जबकि बांग्लादेश ने दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान को 54 रन से शिकस्त देकर खिताबी मुकाबले का टिकट कटाया है. इस टूर्नामेंट में बांग्लादेश की टीम अब तक अजेय रही है और ग्रुप स्टेज के अपने तीनों मुकाबले में जीत हासिल की है. वहीं भारत को ग्रुप चरण के पहले मैच में हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन इसके बाद टीम ने जबरदस्त वापसी की और लगातार तीन जीत दर्ज कर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई थी।

भारत महिला ए: नंदिनी कश्यप, वृंदा दिनेश, तेजल हसब्निस, अनुष्का शर्मा, राधा यादव (कप्तान), ममता मादीवाला (विकेटकीपर), मिन्नू मणि, तनुजा कंवर, सोनिया मेंढिया, प्रेमा रावत, साइमा ठाकोर.

बांग्लादेश महिला ए: इश्मा तंजीम, शमीमा सुल्ताना (विकेटकीपर), सरमीन सुल्ताना, फाहिमा खातून (कप्तान), लता मंडल, फरजाना एस्मिन, शोरिफा खातून, सादिया अख्तर, फातिमा जहां सोनिया, संजीदा अख्तर मेघला, फरिहा त्रिस्ना.

संडे ऑन साइकिल' में शामिल हुए दिग्गज एथलीट, देशवासियों को फिट रहने का दिया संदेश

नई दिल्ली। नई दिल्ली में फिट इंडिया मूवमेंट के तहत संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ईएसआईसी ने भी अपनी स्थापना के 75 साल पूरे होने पर 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस अवसर पर पूर्व हॉकी खिलाड़ी रूपिंदर पाल सिंह, साइकिलिस्ट तन्वी, कोरियोग्राफर अतुल जिंदल, और साइकिलिस्ट स्वीटी मलिक उपस्थित रहीं।

आईएएनएस से बात करते हुए पूर्व हॉकी खिलाड़ी रूपिंदर पाल सिंह ने कहा, 'हमारे प्रधानमंत्री की तरफ से फिट इंडिया मूवमेंट के रूप में एक अच्छी मुहिम शुरू की गई है। इसके माध्यम से देशवासियों को फिट रहने का संदेश दिया जा रहा है।'

उन्होंने कहा कि हमें कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी भी मिली है। इसका भी हम जश्न मना रहे हैं। 20 साल

बाद देश में फिर से कॉमनवेल्थ खेलों का आयोजन होने जा रहा है। मैं उम्मीद करता हूं कि पिछली बार से हमारा प्रदर्शन अच्छा होगा। खिलाड़ियों के लिए यह बहुत बड़ा अवसर है कि वे अपने देश में कॉमनवेल्थ गेम्स खेलेंगे। इससे अच्छी कुछ भी प्रेरणा नहीं हो सकती। रूपिंदर पाल सिंह ने कहा, 'मैं चाहूंगा कि देशवासी न सिर्फ साइकिलिंग बल्कि जब भी उन्हें समय मिलता है, कोई भी शारीरिक व्यायाम करें और खुद को फिट रखें।' साइकिलिस्ट तन्वी ने कहा, 'मुझे यहां सभी पर गर्व है। बहुत भीड़ थी। सूरज निकला भी नहीं था, लेकिन लोग साइकिल चलाने के लिए यहां पहले से ही जमा हो गए थे।'

कोरियोग्राफर अतुल जिंदल ने आईएएनएस से कहा, 'मुझे लगता है कि साइकिल चलाना एक बहुत अच्छा मूवमेंट है। अगर हम अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में साइकिल चलाते हैं, तो हम पर्यावरण और अपनी सेहत दोनों का ध्यान रख सकते हैं।'

स्वीटी मलिक ने कहा, 'मैं फिट इंडिया, संडे ऑन साइकिल इवेंट में मेहमान के तौर पर आई हूं। सुबह-सुबह यहां इतने सारे लोगों को अपनी फिटनेस का ध्यान रखते हुए देखकर मुझे बहुत खुशी हो रही है।' 65 साल की महिला साइकिलिस्ट सुशील अतिल ने आईएएनएस से कहा कि युवाओं को मोबाईल की दुनिया से बाहर आकर ज्यादा से ज्यादा संख्या में फिट इंडिया मूवमेंट में हिस्सा लेना चाहिए और खुद को फिट रखने की कोशिश करनी चाहिए।

टी20 विश्वकप में तीन शून्य एक सकारात्मक संकेत, अभिषेक पर शास्त्री का चौंकाने वाला बयान

नई दिल्ली- टी20 विश्व कप 2026 में युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का प्रदर्शन अब तक निराशाजनक रहा है। तीन मैचों में वह खाता भी नहीं खोल सके और लगातार तीन बार शून्य पर आउट हुए। ऐसे में आलोचनाएं तेज हो गईं, लेकिन पूर्व भारतीय मुख्य कोच रवि शास्त्री ने इसे अलग नजरिए से देखने की सलाह दी है। भारत के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले सुपर-8 मुकाबले से पहले शास्त्री ने चौंकाने वाला बयान दिया।

शास्त्री का बड़ा बयान

शास्त्री ने कहा, 'मैं इसे सकारात्मक रूप में देखता हूं कि अभिषेक शर्मा तीन बार शून्य पर आउट हुए हैं। हो सकता है वह टूर्नामेंट के अहम दौर के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ बचाकर रख रहे हों। दूसरी टीमें इस बात से थोड़ा चिंतित होंगी कि अभी तक उनके बल्ले से रन नहीं निकले हैं।' उनका मानना है कि बड़े खिलाड़ी अक्सर महत्वपूर्ण मैचों में अपनी असली क्षमता दिखाते हैं और अभिषेक भी ऐसा कर सकते हैं।

प्लेइंग इलेवन पर क्या बोले-

शास्त्री का मानना है कि मौजूदा भारतीय टीम संतुलित है और प्लेइंग इलेवन में बड़े बदलाव की संभावना कम है। नीदरलैंड्स के खिलाफ मुकाबले में भारत ने दो बदलाव किए थे, कुलदीप यादव की जगह अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल को आराम देकर वॉशिंगटन सुंदर को मौका दिया गया था।

इस पर शास्त्री ने कहा, 'मुझे लगता है कि टीम लगभग वही रहेगी। आपके पास गहराई है, विकल्प हैं और हर परिस्थिति के लिए तैयारी है। जब ओस होती है, तो अतिरिक्त गेंदबाजी विकल्प की जरूरत होती है। मुझे नहीं लगता कि टीम ज्यादा छेड़छाड़ करेगी।'

अब पाकिस्तान कैसे बना पाएगा सेमीफाइनल में जगह!

पाक-न्यूजीलैंड का पहला मुकाबला बिना एक भी गेंद फेंके बारिश की वजह से रद्द हुआ

कोलंबो। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर 8 चरण का पहला मुकाबला बिना एक भी गेंद फेंके बारिश की वजह से रद्द हो गया। कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले इस मैच में पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था, लेकिन इसके बाद मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। आईसीसी के नियमों के तहत सुपर 8 मैचों के लिए कोई रिजर्व डे नहीं है, इसलिए मैच को रद्द कर दिया गया और दोनों टीमों को एक-एक अंक दे दिया गया। जानिए इसके बाद पाकिस्तान को सेमीफाइनल का रास्ता बनाने के लिए किन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

पाकिस्तान के दो मुकाबले बाकी

पाकिस्तान का अगला मुकाबला 24 फरवरी को पल्लेकल में इंग्लैंड के खिलाफ है। इंग्लैंड टी20 वर्ल्ड कप की दो बार की चैंपियन टीम है, मगर इस टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन मिला-जुला रहा है। ग्रुप स्टेज में उन्हें वेस्टइंडीज से 30 रन से हार का सामना करना पड़ा था, तो नेपाल ने जीत के लिए पसीने छुड़ा दिए थे। यह पाकिस्तान के लिए एक मौका है, लेकिन पल्लेकल की पिच पर इंग्लैंड के क्लच प्लेयर्स और आक्रामक बल्लेबाजों के खिलाफ सतर्क रहना जरूरी होगी। पाकिस्तान के लिए यह मैच केवल जीतना नहीं, बल्कि बड़े अंतर से जीतना भी जरूरी होगा, क्योंकि अब नेट रन रेट की भूमिका अहम हो जाएगी।

28 फरवरी को उसी पल्लेकल स्टेडियम में पाकिस्तान की टक्कर मेजबान श्रीलंका से होगी। यह ग्रुप 2 का आखिरी मुकाबला होगा। श्रीलंका इस टूर्नामेंट में अपनी घरेलू परिस्थितियों का भरपूर फायदा उठा रही है। ग्रुप चरण में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया को हराकर सुपर 8 में जगह बनाई। पल्लेकल की पिच स्पिन फ्रेंडली मानी जाती है, जो दोनों टीमों के लिए बराबरी से चुनौतीपूर्ण होगी। यह मैच तब खेला जाएगा जब ग्रुप 2 के बाकी सभी मुकाबले हो चुके होंगे, यानी उस वक्त तस्वीर पूरी तरह साफ हो चुकी होगी कि पाकिस्तान को मुकाबला कितने बड़े अंतर से जीतना होगा।

दूसरी टीमों के मैच पर भी रखनी होगी नजर

पाकिस्तान की सेमीफाइनल राह सिर्फ उनके अपने मैचों पर नहीं, बल्कि ग्रुप 2 के उन तीन मुकाबलों पर भी उतनी ही टिकी है जिनमें वे नहीं खेलेंगे। 22 फरवरी को पल्लेकल में इंग्लैंड और श्रीलंका आमने-सामने होंगे। यह ग्रुप 2 का दूसरा मैच है और पाकिस्तान के नजरिए से महत्वपूर्ण है। इंग्लैंड और श्रीलंका दोनों के अभी 0 अंक हैं। अगर इंग्लैंड यह मैच जीतते हैं, तो उनके दो अंक हो जाएंगे और 24 फरवरी को पाकिस्तान के खिलाफ वे मोमेंटम के साथ उतरेंगे। वहीं अगर श्रीलंका जीतती है, तो इंग्लैंड पर भी दबाव बनेगा और पाकिस्तान के लिए 24 फरवरी का मुकाबला थोड़ा और खुला हो जाएगा।

25 फरवरी को कोलंबो में न्यूजीलैंड और श्रीलंका के बीच मैच होगा। यहां पाकिस्तान किस नतीजे की उम्मीद करे, यह इस पर निर्भर करेगा कि 22 और 24 फरवरी के मैच के नतीजे क्या रहते हैं। अगर श्रीलंका ने 22 को इंग्लैंड को और 25 को न्यूजीलैंड को भी हरा दिया, तो श्रीलंका के चार अंक हो जाएंगे और वे सेमीफाइनल का टिकट लगभग सुरक्षित कर लेंगे। ऐसा होने पर पाकिस्तान के साथ दूसरी जगह के लिए सीधी टक्कर में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड बचेंगी।

बेटे अगस्त्य और पूर्व पत्नी स्टैनकोविक के लिए हार्दिक का चार करोड़ का तोहफा!

मुंबई। भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पांड्या और उनकी पूर्व पत्नी नताशा स्टैनकोविक भले ही अलग हो चुके हों, लेकिन अपने बेटे अगस्त्य की परवरिश को लेकर दोनों की समझदारी लगातार चर्चा में है। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक नई लग्जरी एसयूवी को लेकर फैंस हैरान रह गए। काले रंग की इस शानदार कार की कीमत करीब तीन से चार करोड़ रुपये बताई जा रही है। नताशा को बेटे अगस्त्य के साथ इस कार के पास पोज देते देखा गया, जिसके बाद यह खबर तेजी से वायरल हो गई। बताया जा रहा है कि यह कार हार्दिक ने बेटे अगस्त्य के लिए खरीदी है। अगस्त्य के साथ स्टैनकोविक भी कार शो रूम साथ पहुंचीं। अगस्त्य स्टैनकोविक के साथ ही रह रहे हैं। इस मौके की तस्वीरें वाहन निर्माता कंपनी ने खुद साझा कीं। पोस्ट के कैप्शन में लिखा गया, 'हार्दिक पांड्या ने एक बार फिर हमारी कंपनी को अपनी लग्जरी गाड़ी खरीदने के लिए चुना। विश्वास पर बना रिश्ता। उत्कृष्टता पर आधारित निर्णय। मुंबई में अगस्त्य पांड्या और स्टैनकोविक को डिलीवर की गई लैंड रोवर डिफेंडर।' इस कैप्शन के बाद यह चर्चा और तेज हो गई कि क्या यह कार हार्दिक की ओर से एक खास तोहफा है।

अलगाव के बाद भी जिम्मेदारी

जुलाई 2024 में आधिकारिक रूप से अलग होने के बाद भी हार्दिक और नताशा ने बेटे अगस्त्य की संयुक्त परवरिश को प्राथमिकता दी है। दोनों को कई मौकों पर बेटे के साथ समय बिताते देखा गया है। हार्दिक का नाम हाल ही में अभिनेत्री माहिका शर्मा के साथ जुड़ने की खबरों में भी रहा, लेकिन उन्होंने हमेशा यह स्पष्ट किया है कि उनका बेटा उनकी पहली प्राथमिकता है। हार्दिक ने हाल ही में गर्लफ्रेंड माहिका के जन्मदिन पर एक क्यूट वीडियो शेयर किया था। इस वीडियो में दोनों निजी पल बिताते दिखे थे। हार्दिक भारत के टी20 विश्वकप मैचों में भी माहिका के साथ दिखे थे, जिस पर काफी विवाद भी हुआ था।

नताशा की नई शुरुआत

दूसरी ओर, नताशा स्टैनकोविक भी अपने करियर और फिटनेस पर ध्यान दे रही हैं। हाल के इंटरव्यू में उन्होंने कहा, 'मैं फिर से प्यार के लिए खुली हूं और जीवन की चुनौतियों ने मुझे और मजबूत बनाया है।' यह बयान उनके आत्मविश्वास और नई शुरुआत की ओर इशारा करता है।

रिश्तों की नई मिसाल

चाहे यह कार हार्दिक की ओर से दिया गया उपहार हो या कोई अन्य निर्णय, इस घटना ने एक बात साफ कर दी है कि अलगाव के बाद भी परिपक्वता और सम्मान के साथ आगे बढ़ा जा सकता है। मुंबई की सड़कों पर दौड़ती यह लग्जरी कार सिर्फ ग्लैमर का प्रतीक नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और समझदारी की मिसाल भी बन गई है।

मार्च में दोहा में होगी आईसीसी बोर्ड की बैठक, पाकिस्तान के बवाल पर होगी चर्चा

दुबई, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के बोर्ड और समितियों की बैठक 25 से 27 मार्च तक दोहा में आयोजित की जाएगी जिससे क्रिकेट में कतर की बढ़ती भागीदारी का पता चलता है। इसके अलावा टी20 विश्वकप से पहले हुए बवाल पर भी चर्चा हो सकती है। टी20 विश्वकप 2026 शुरू होने से पहले बांग्लादेश और पाकिस्तान ने खूब बवाल किया था। बांग्लादेश ने भारत में खेलने से मना किया था, जिसके बाद उन्हें टी20 विश्वकप से बाहर कर दिया गया था। वहीं, पाकिस्तान ने बांग्लादेश के समर्थन में भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार का एलान किया था। फिर यूटर्न लेते हुए भारत के खिलाफ खेला और मैच हार गए। अब यह देखने वाली बात होगी कि आईसीसी पाकिस्तान पर किसी तरह का एक्शन लेता है या नहीं।

आईसीसी ने एक बयान में कहा, 'यह बैठकें आईसीसी बोर्ड के निदेशकों, मुख्य कार्यकारी अधिकारियों, समिति के सदस्यों और सीनियर पदाधिकारियों को एक मंच पर लाएंगी, जो वैश्विक खेल के वर्तमान और भविष्य से संबंधित प्रमुख मामलों पर विचार-विमर्श करने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा।' आईसीसी ने बताया कि 2020 से कतर में क्रिकेट में समग्र भागीदारी में 447 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

दौसा में ऑल इंडिया फुटबॉल टूर्नामेंट 28 फरवरी तक

दौसा। दौसा जिले में पंच गौरव दौसा एक जिला, एक खेल फुटबॉल अभियान के तहत ऑल इंडिया फुटबॉल टूर्नामेंट 22 से 28 फरवरी तक श्री जय भवानी स्पोर्ट्स क्लब के मैदान में आयोजित होगा। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों की 13 नामचीन और मजबूत टीमें भाग लेंगी। आयोजन से दौसा जिले को राष्ट्रीय खेल मानचित्र पर नई पहचान मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

क्रिकेट के बाद हॉकी भी बर्बाद करने की तैयारी में नकवी!

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान में खेलों की बदहाली अब छिपाए नहीं छिप रही। क्रिकेट में लगातार विवादों और प्रशासनिक उठापटक के बीच अब हॉकी का संकट भी सड़कों पर आ गया है। ऐसे समय में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख मोहसिन नकवी का आगे आकर इज्जत बचाने का दावा करना कई लोगों को राहत से ज्यादा दिखावा लग रहा है। सवाल यह है कि क्या वह सच में मदद करने आए हैं या फिर एक और खेल को राजनीतिक अखाड़ा बनाने की तैयारी है?ऑस्ट्रेलिया दौरे पर एफआईएच प्रो हॉकी लीग खेलने गई पाकिस्तान हॉकी टीम ने जो खुलासे किए, वे शर्मनाक थे। खिलाड़ियों का आरोप है कि उनके लिए होटल तक बुक नहीं कराया गया। उन्हें घंटों सड़कों पर भटकना पड़ा, खुद खाना बनाना पड़ा और बर्तन धोने पड़े। यह किसी स्थानीय क्लब टीम की कहानी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय टीम की दुर्दशा है।

इस विवाद के बाद पाकिस्तान हॉकी संघ के अध्यक्ष तारिक बुगती ने इस्तीफा प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को भेज दिया, लेकिन जाते-जाते कप्तान अम्माद शकील बट को दो साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया। हालांकि, विरोध के बाद अंतरिम अध्यक्ष ने इस कार्रवाई को गलत बताया और प्रतिबंध हटाया। अब इस फजीहत के बाद क्रिकेट बोर्ड की एंट्री ने नई बहस छेड़ दी है कि क्या एक और खेल भी सत्ता और सियासत की भेंट चढ़ने वाला है? ऐसे माहौल में मोहसिन नकवी का सामने आना कई सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की इज्जत से समझौता नहीं

पाकिस्तान टीम को दिया समर्थन का आश्वासन

होने दिया जाएगा और क्रिकेट बोर्ड हर संभव मदद करेगा। लेकिन आलोचकों का कहना है कि जब क्रिकेट खुद विवादों और अस्थिरता से जूझ रहा है, तब हॉकी में दखल देना समाधान कम और शक्ति प्रदर्शन ज्यादा लगता है। क्या यह वही मॉडल होगा जिसमें प्रशासनिक अव्यवस्था पर पर्दा डालने के लिए पैसों की बारिश कर दी जाए? पाकिस्तान की न्यूज वेबसाइट जियो सुपर के मुताबिक हर खिलाड़ी को 10 लाख पाकिस्तानी रुपये की सहायता दी गई। पैसा जरूरी है, लेकिन क्या सिर्फ आर्थिक मदद से सिस्टम की सड़ांध दूर हो जाएगी?नकवी पहले से देश के गृह मंत्री और क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख हैं। ऐसे में उनका हॉकी मामलों में अस्थायी दखल कई लोगों को सत्ता केंद्रीकरण जैसा लगता है। मोहसिन नकवी ने कहा, 'हम हॉकी खिलाड़ियों को हर मुमकिन तरीके से मदद देंगे। हम हॉकी के मामलों को आसान बनाने में पूरा सहयोग करेंगे।'

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित। संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।